रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, शनिवार 26 अक्टूबर 2024, वर्ष 10, अंक 286 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

एअर इंडिया-विस्तारा, इंडिगो की 20-20, अकासा की 25 फ्लाइट; गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट

85 विमानों में फिर बम की धमकी

नई दिल्ली विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को एक बार फिर 85 फ्लाइट्स को धमकी मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें एअर इंडिया की 20, इंडिगो की 20, विस्तारा की 20 और अकासा की 25 फ्लाइट्स शामिल हैं। अकासा एयर ने बयान जारी कर कहा- आज हमारी कुछ फ्लाइट्स में सिक्योरिटी अलर्ट मिला। एयरलाइन की रिस्पॉन्स टीमें लोकल अथॉरिटी के साथ सेफ्टी और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को फॉलो कर रही हैं। आज ही गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डाबोलिम) और गोवा के ही मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आज हाई अलर्ट पर रखा गया। इन एयरपोर्ट्स पर लैंड होने वाली 4 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली थी। इसके बाद दोनों एयरपोर्ट्स के लिए बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी (BTAC) का गठन किया गया। पिछले 11 दिनों में 255 से ज्यादा विमानों में बम की धमकियां मिल चुकी हैं। इससे एविएशन सेक्टर को 600 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। एक दिन पहले, 23 अक्टूबर को ही इन धमकियों को लेकर IT मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X, मेटा और एयरलाइन कंपनियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की थी। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से पूछा था कि, 'इन खतरनाक अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए आपने क्या किया है। ये जो हालात हैं, उनसे जाहिर होता है कि आप जुर्म को बढ़ावा दे रहे हैं।' 21 अक्टूबर को नायडू ने कहा था कि फ्लाइट्स में बम धमकी देने वालों के नाम 'नो फ्लाई लिस्ट' में शामिल किए जा सकते हैं। सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बना रही है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) इस मुद्दे पर लगातार गृह मंत्रालय के संपर्क में है। **धमकियों को लेकर केंद्र सरकार के 4 एक्शन** एयर मार्शल की संख्या दोगुनी: केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या दोगुनी करने का फैसला किया। इसी दिन गृह मंत्रालय ने फर्जी धमकियों को लेकर एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी। CISF, NIA और IB को भी रिपोर्ट देने को कहा गया। एयरलाइंस के CEOs के साथ बैठक: ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने 19 अक्टूबर को सभी एयरलाइंस के CEOs के साथ बैठक की। इसमें झूठी धमकियों से निपटने पर चर्चा की गई। साथ ही यात्रियों की असुविधा और एयरलाइंस के नुकसान पर भी बात हुई। DGCA प्रमुख को हटाया: केंद्र ने 19 अक्टूबर को DGCA चीफ विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया।

हिमाचल में बनीं 23 दवाओं के सैंपल फेल:कैंसर, हार्ट अटैक और ब्लड शुगर के लिए इस्तेमाल होती हैं; देशभर से स्टॉक वापस मंगाया

शिमला केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य ड्रग कंट्रोलर की तरफ से विभिन्न फार्मा कंपनियों से दवाइयों के सैंपल लिए गए थे। हिमाचल प्रदेश में बनी 23 दवाइयां केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। इनके सैंपल फेल हो गए हैं। ये दवाएं हार्ट अटैक, ब्लड शुगर और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं। इसी साल सितंबर में CDSCO और राज्य ड्रग कंट्रोलर ने राज्य में विभिन्न दवा निर्माता कंपनियों के सैंपल लिए थे। CDSCO ने लैब में जांच के बाद अपनी रिपोर्ट साझा की है। CDSCO की जांच में 49 में से 20 सैंपल फेल हो गए और ड्रग कंट्रोलर की जांच में 18 में से 3 सैंपल फेल हुए। ये दवाइयां देशभर में सप्लाई होती हैं। सैंपल फेल होने के बाद ड्रग कंट्रोलर ने हिमाचल की फार्मा कंपनियों से दवाओं का स्टॉक वापस मंगाने के निर्देश दिए हैं। स्टेट ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि CDSCO के अलर्ट के बाद सभी दवा कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। जवाब मिलने के बाद कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हिमाचल में बनीं दवाइयां देशभर में सप्लाई होती हैं। ऑक्सीटोसिन : प्रसव पीड़ा बढ़ाने-रक्तस्राव कम करने में इस्तेमाल सिरमौर की पुष्कर फार्मा कंपनी की ऑक्सीटोसिन दवा के सैंपल फेल हो गए हैं। यह दवा प्रसव पीड़ा तेज करने और प्रसव के बाद रक्तस्राव कम करने के लिए दी जाती है। **कैल्शियम ग्लूकोनेट : हार्ट अटैक में यूज होती है** बद्दी की मार्टिन एंड ब्राउन कंपनी द्वारा निर्मित कैल्शियम ग्लूकोनेट भी मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसका प्रयोग हार्ट अटैक के मरीजों पर किया जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, जब कुछ मरीजों के शरीर में पोटेशियम साल्ट का स्तर बढ़ जाता है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए कैल्शियम ग्लूकोनेट दवा दी जाती है। **इफोस्फामाइड: कैंसर को बढ़ने से रोकती है** क्वालिटी फार्मास्युटिकल कंपनी की कैंसर की दवा इफोस्फामाइड के सैंपल भी फेल हो गए हैं। इसका इस्तेमाल कई तरह के कैंसर का पता चलने के बाद किया जाता है। यह मरीज के शरीर में कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को धीमा करने या रोकने का काम करती है। इसे नसों में इंजेक्शन के जरिए मरीज को दिया जाता है। **निमोनिया, ब्लड शुगर की दवाओं के सैंपल भी फेल** पांवटा साहिब की जी लैबोरेटरी कंपनी में बनी निमोनिया की दवा सेफ्ट्रिएक्सोन, संक्रमण की दवा जेंटामाइसिन और ब्लड शुगर की दवा जेनेरिकार्ट फेल हो गई है। झाड़माजरी की इनोवो कैप्टाप कंपनी के निमेसुलाइड, सेलिब्रिटी बायोटेक कंपनी के सिप्रोविन, माखून माजरा की एरिसो फार्मास्युटिकल कंपनी के मोटोसेप के 2 सैंपल फेल हो गए हैं। काला अंब की नितिन लाइफ साइंस के प्रोमेथाजिन, काला अंब की डिजिटल विजन कंपनी के बुप्रोन एसआर, बद्दी के सेफोपेराजोन और पाइपेरासिलिन के सैंपल फेल हो गए हैं। **ब्लड प्रेशर की टॉरसेमी दवा के सैंपल फेल** साइरोज रेमेडीज कंपनी की विटामिन-बी की दवा न्यूरोपाइन, सोलन स्थित जेएम लैब की ब्लड प्रेशर की दवा टॉरसेमी, बद्दी स्थित क्लेस्टा फार्मास्युटिकल कंपनी की डायबिटीज की दवा न्यूरोकेम, झाड़माजरी वेडस्प फार्मास्युटिकल कंपनी की संक्रमण की दवा इनक्लेव और बद्दी स्थित ट्रिविजन हेल्थ केयर कंपनी की दर्द की दवा स्टे हैप्पी ट्रिप्सिन के भी सैंपल फेल हुए।

जस्टिस संजीव खन्ना CJI बने, 11 नवंबर को शपथ:6 महीने रहेगा कार्यकाल

नई दिल्ली जस्टिस संजीव खन्ना ने करीब 117 फैसले लिखे हैं। वे अब तक 456 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। सोर्स- सुप्रीम कोर्ट ऑब्जर्वर जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। वे 11 नवंबर को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। यह जानकारी गुरुवार को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार से जस्टिस खन्ना के नाम की सिफारिश की थी। CJI चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। परंपरा है कि मौजूदा CJI अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। CJI चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया था। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया। सुप्रीम कोर्ट जज बनाए जाने से पहले वे दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे। उन्हें 2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था। **सुप्रीम कोर्ट जज बनने पर भी हुआ था विवाद** 32 जजों की अनदेखी करके जस्टिस खन्ना को सुप्रीम कोर्ट जज बनाने पर जमकर विवाद हुआ था। 10 जनवरी 2019 को कॉलेजियम ने उनकी जगह जस्टिस माहेश्वरी और वरिष्ठता में 33वें स्थान पर जस्टिस खन्ना को प्रमोट करने का फैसला किया। इसके बाद सिफारिश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दस्तखत कर दिए थे। **वरीयता को अनदेखा करते हुए CJI बनाने के दो मामले, दोनों इंदिरा सरकार के** अप्रैल 1973 में सुप्रीम कोर्ट के तीन सीनियर जजों को दरकिनार करते हुए एएन रे को CJI बनाया गया था।1977 में जब जस्टिस रे रिटायर हुए तो जस्टिस एचआर खन्ना सबसे सीनियर थे। लेकिन, उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को चुना गया। इमरजेंसी के दौरान जस्टिस खन्ना ने इंदिरा सरकार के खिलाफ फैसले सुनाए थे, जस्टिस संजीव खन्ना उन्हीं के भतीजे हैं। जस्टिस संजीव खन्ना के पिता जस्टिस देवराज खन्ना भी दिल्ली हाईकोर्ट के जज थे। उनके चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट जज रहे। यह दुर्लभ संयोग था कि जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर अपना पहला दिन उसी कोर्ट रूम से शुरू किया, जहां से उनके चाचा, दिवंगत जस्टिस एचआर. खन्ना रिटायर हुए थे। सेम सेक्स मैरिज केस की सुनवाई से खुद को अलग किया।

उत्तरकाशी में मस्जिद गिराने की मांग को लेकर प्रदर्शन:हिंदू संगठन का आरोप- सरकारी जमीन पर बनी; पुलिस के लाठीचार्ज में 27 घायल

देहरादून जिला प्रशासन ने साफ किया कि मस्जिद पुरानी है और मुस्लिम समुदाय के लोगों की जमीन पर बनी है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक मस्जिद गिराने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में सात पुलिसकर्मियों समेत 27 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था बाड़ाहाट इलाके में बनी मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी है। हालांकि, जिला प्रशासन ने साफ किया कि मस्जिद पुरानी है और मुस्लिम समुदाय के लोगों की जमीन पर बनी है। प्रदर्शनकारियों को मस्जिद की ओर बढ़ने से रोकने के लिए प्रशासन ने गंगोत्री नेशनल हाईवे पर बैरिकेडिंग लगा दी। इसे हटाने के लिए प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। उत्तरकाशी के SP अमित श्रीवास्तव ने शहर में स्थिति सामान्य है। पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है। उत्तरकाशी के SP अमित श्रीवास्तव ने शहर में स्थिति सामान्य है। पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप- हालात बिगाड़ने की साजिश के तहत पथराव हुआ थोड़ी जद्दोजहद के बाद प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग के पास ही धरने पर बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। कुछ देर बाद उन्होंने जब बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हाथापाई हो गई।

दाना जैसे दानव तूफान ओडिशा आकर क्यों हो जाते हैं फुस्स, सुपर साइक्लोन के 25 साल बाद यह राज्य कैसे

चक्रवाती तूफान दाना की वजह से ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में भारी तबाही हुई। 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। दाना ने ओडिशा के धामरा तट पर देर रात दस्तक दी। इस दौरान हवा की गति करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे थी। तेज हवाओं और भारी बारिश ने भद्रक के कामरिया में तबाही मचाई। 500 से ज्यादा ट्रेनें रद्द कर दी गईं। ओडिशा और बंगाल में 16 घंटों के लिए उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी।

नई दिल्ली: ओडिशा में चक्रवाती तूफान दाना ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। बीते 24 घंटों में यह तूफान 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से केंद्रपाड़ा जिले के भीतकर्णिका और भद्रक जिले के धामरा के तटों से टकराया। माना जा रहा है कि इस तूफान से ओडिशा की पूरी आबादी पर असर पड़ने की आशंका है। ओडिशा में 14 जिलों के 10 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जाना है। तूफान का असर ओडिशा के अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर भी पड़ा है। ओडिशा में सुपर साइक्लोन की तबाही के 25 साल हो गए हैं। इस आपदा में तब 1.8 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। 10 हजार से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इन 25 साल में ओडिशा ने खुद को ऐसा बदला कि वह बेहतर आपदा प्रबंधन के मामले में दूसरे राज्यों के लिए नजीर साबित हो सकता है। आखिर एक छोटे से बीमारू राज्य ने खुद को कैसे बदला और किस तरह से पूरे देश के लिए रोल मॉडल बन गया। जानते हैं विकास की कहानी। **बरसों की तैयारी ने ओडिशा को बनाया ढाल** ओडिशा की वर्षों की योजना और तैयारी का फल यह मिला कि शक्तिशाली चक्रवातों से होने वाली मौतें कभी भी दोहरे अंक को पार नहीं कर पाईं। जब 2013 में चक्रवात फेलिन ओडिशा के तटों से टकराया तो ओडिशा ने दुनिया में सबसे सफल आपदा प्रबंधन प्रयासों में से एक को अंजाम दिया। सुपर चक्रवात के बाद देश में आने वाले सबसे शक्तिशाली चक्रवात से पहले करीब 10 लाख लोगों को निकाला गया। 2019 में जब एक और शक्तिशाली चक्रवात फानी आया तो ओडिशा सरकार ने उच्च स्तर की तैयारी दिखाई और इन पूर्वानुमानों के आधार पर लगभग 12 लाख लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। **आपदा प्रबंधन तंत्र बनाने वाला पहला राज्य बना** 1999 में सुपर साइक्लोन के मद्देनजर ओडिशा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थापित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। जबकि 2005 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की स्थापना की गई थी। ओडिशा ने सालोंसाल ऐसी आपदाओं की तैयारी की और वह आज आसानी से ऐसे तूफानों से पार पा लेता है। तूफान आने के दौरान मामूली क्षति होती है। **1 लाख लोगों का आपदा कैडर बनाया जो हैं देवदूत** महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य ने स्थानीय समुदायों को प्रयास के केंद्र में रखकर आपदा प्रबंधन के पारंपरिक दृष्टिकोण को छोड़ दिया। जैसे, जमीनी स्तर के लोगों - ग्राम पंचायतों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्वयंसेवकों के 1 लाख से अधिक कैडर को आपदा जोखिम को कम करने और बचाव और राहत कार्यों का प्रबंधन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। हर साल जून और नवंबर में ओएसडीएमए राज्य भर में दो बड़े समुदाय आधारित मॉक ड्रिल आयोजित करता है, जिसमें कई सरकारी विभाग, जिला कलेक्टर, ग्राम पंचायत, गैर सरकारी संगठन और हजारों प्रशिक्षित स्वयंसेवक शामिल होते हैं।

एक हफ्ते में 4 आतंकी हमले, प्रवासी मजदूरों पर 3 टारगेटेड अटैक, आखिर सीमा पार आतंकवाद का क्या है इलाज?

जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन के एक हफ्ते के भीतर 4 आतंकी हमले हो चुके हैं। प्रवासी मजदूरों को टारगेट करके 3 हमले हो चुके हैं। गुरुवार को गुलमर्ग में सेना के ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले में 2 जवानों समेत 4 की मौत हुई। इसी हफ्ते आतंकियों ने एक सुरंग निर्माण कंपनी के कर्मचारियों पर हमला किया था जिसमें 7 की मौत हुई थी।

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर में एक हफ्ते के भीतर 4 आतंकी हमले। केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद चुनी हुई पहली सरकार आने के बाद आतंकी हमलों में उछाल। निशाने पर सिर्फ सुरक्षा बल ही नहीं, बल्कि बाहरी राज्यों से आए मजदूर, पर्यटक भी। कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुए हालिया विधानसभा चुनाव के दौरान गड़बड़ी नहीं फैला पाए आतंकी अब बौखलाहट में हैं। उनके हमले तेज हुए हैं। ज्यादातर हमलों के पीछे पाकिस्तान के घुसपैठी आतंकी हैं। जिस तेजी से आतंकी वारदात बढ़ रही हैं, भारत सरकार को सीमा पार आतंकवाद का जल्द इलाज करना होगा। **शानदार ढंग से चुनाव होने से बौखलाए आतंकी** 16 अक्टूबर को उमर अब्दुल्ला ने केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 3 चरणों में हुए विधानसभा चुनाव में लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इससे बौखलाए आतंकी पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं के इशारे पर अब लगातार हमलों को अंजाम दे रहे हैं। **मिलिट्री ट्रक पर घात लगाकर हमला** गुरुवार को गुलमर्ग में 11 किलोमीटर दूर एलओसी के पास आतंकियों ने एक मिलिट्री ट्रक पर घात लगाकर हमला किया। इसमें राष्ट्रीय राइफल्स के 2 जवानों और 2 पोर्टर की मौत हो गई। 3 अन्य सैनिक जख्मी हुए हैं। मिलिट्री ट्रक सप्लाई लेकर जा रहा था। गुरुवार को ही दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में यूपी के एक नाई को आतंकियों ने गोली मारी थी। यूपी के बिजनौर के रहने वाले और कश्मीर में नाई का काम करने वाले शुभम कुमार खुशकिस्मत रहे कि गोली उनके दाहिने हाथ में लगी थी। उन्हें तुरंत ही त्राल के नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया। ये एक सप्ताह के भीतर प्रवासी मजदूरों को टारगेट करके किया हुआ तीसरा आतंकी हमला था। **एक हफ्ते में प्रवासी मजदूरों पर तीन बार टारगेटेड अटैक** रविवार को गांदरबल में आतंकियों के हमले में एक सुरंग-निर्माण कंपनी के 7 कर्मचारियों की मौत हो गई। गांदरबल में श्रीनगर-लेह हाइवे पर गगनगीर के पास हुए इस आतंकी हमले में मरने वालों में एक लोकल डॉक्टर भी थे।

इससे पहले शुक्रवार को शोपियां में आतंकवादियों ने बिहार के एक प्रवासी मजदूर को पहले अगवा किया था और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। मई से अबतक सुरक्षा बलों के 24 जवान दे चुके हैं सर्वोच्च बलिदान, 20 आतंकी भी हुए ढे लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले बढ़े हैं। अपेक्षाकृत शांत रहे जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। इसे इस आंकड़े से समझा जा सकता है कि 4 मई के बाद आतंकी हमलों में सुरक्षा बलों के 24 जांबाजों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। इनमें 18 तो सिर्फ जम्मू क्षेत्र में थे। बाकी 6 कश्मीर में। इस दौरान कम से कम 20 आतंकी भी ढेर किए गए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बढ़ते आतंकी हमलों पर चिंता जताते हुए उसकी निंदा की है। उन्होंने गुरुवार को कहा, 'हिंसा में ये उछाल खतरनाक है और इसकी बिना शर्त निंदा होनी चाहिए।'सीमा पार आतंकवाद का समाधान आखिर क्या है? बढ़ते आतंकी हमलों के मद्देनजर भारत को कोई ठोस रणनीति बनानी पड़ेगी। जम्मू-कश्मीर चुनाव के दौरान जिस तरह की अभेद्य सुरक्षा थी, उस स्तर पर व्यापक तैनाती तो मुश्किल है, लेकिन सरकार को कुछ न कुछ ठोस करना ही पड़ेगा। चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती हुई थी जो अब अपनी तैनाती वाली मूल जगहों पर लौट चुके हैं या लौट रहे हैं।

लॉरेंस के भाई बोले-जेल में नहीं भेजते 40 लाख रुपए: गांव में परदादा का मंदिर

फाजिल्का, पंजाब 'आपको पता चलना चाहिए कि लॉरेंस किस परिवार से ताल्लुक रखता है। कोई ऐसा-वैसा परिवार नहीं है। हमारे पुरखों ने 1857 का गदर देखा, फ्रीडम फाइटर रहे। लॉरेंस ऐसे खानदान का बेटा है, जिसमें संत, लेखक, जज, वकील और IB ऑफिसर जैसे लोग हैं। हमारा परिवार देशभक्त है।' साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस पर भले मर्डर, फिरौती, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के केस चल रहे हों, लेकिन उसके फुफेरे भाई इंदरपाल उसे क्रिमिनल नहीं मानते। वे कहते हैं, 'लॉरेंस पर इतने आरोप लग रहे हैं, लेकिन आपको हमारे परिवार की हिस्ट्री जाननी होगी। तभी आप तय कर पाएंगे कि लॉरेंस क्या कर सकता है और क्या नहीं। मीडियावाले जल्दबाजी में आते हैं और जो मिलता है, उसे अपने ढंग से लिखते-दिखाते हैं।' महाराष्ट्र में NCP लीडर बाबा सिद्दीकी के मर्डर में लॉरेंस गैंग का नाम आ रहा है। लॉरेंस के क्रिमिनल बनने की कहानी यूनिवर्सिटी से शुरू हुई थी। पहली FIR वहीं हुई, पहली बार जेल भी कॉलेज स्टूडेंट रहते हुए ही गया। उससे पहले लॉरेंस की जिंदगी कैसी थी, ये जानने के लिए दैनिक भास्कर उसके गांव दुरातांवाली पहुंचा। यहां दो बातें ऐसी पता चलीं, जो मीडिया में गलत चल रही हैं।

लॉरेंस के गांव दुरातांवाली के एंट्री पॉइंट पर लाल रंग की ये बिल्डिंग बनी है। गांववाले इसे मंदिर कहते हैं, हालांकि ये मंदिर की तरह नहीं दिखती।

झारखंड में चक्रवाती तूफान दाना का अलर्ट! भारी बारिश की चेतावनी, स्कूल बंद, जानिए मौसम का ताजा अपडेट

रांची: झारखंड में चक्रवाती तूफान दाना का असर दिखने लगा है। राजधानी रांची समेत कई जिलों में पिछले 24 घंटों से बादल छाए रहे और हल्की बारिश होती रही। मौसम विभाग ने आज भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसको देखते हुए झारखंड सरकार ने कुछ जिलों में स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है।मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान दाना के कारण आज झारखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसको देखते हुए सरकार ने सावधानी बरतते हुए स्कूल बंद रखने का फैसला लिया है। कोल्हान प्रमंडल, भाईगामा के पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों के सभी स्कूल आज बंद रहेंगे। सरकारी स्कूलों के साथ ही प्राइवेट स्कूल भी बंद रहेंगे। इन जिलों में रहने वाले लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमला के विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और एक जिम्मेदार नागरिक बनें, जिससे समाज के साथ-साथ राज्य और राष्ट्र भी उन पर गर्व कर सके। यह उल्लेखनीय है कि डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल, गुमला के इन विद्यार्थियों द्वारा 'कारगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में लद्दाख के माननीय उप राज्यपाल को पेंटिंग भेजा गया था। लद्दाख के माननीय उप राज्यपाल द्वारा इन विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए राज भवन, रांची को एक पत्र प्रेषित किया गया। उक्त अवसर पर विद्यार्थियों ने राज्यपाल को अपनी पेंटिंग भेंट की, जिसका राज्यपाल ने अवलोकन कर उनकी कलात्मक कृति की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एक छात्रा द्वारा राज्यपाल को स्वरचित पुस्तक की प्रति भी भेंट की गई।

हटिया विधानसभा से कर्मठ नेता एवं समाजसेवी अलबिन लकड़ा ने आगामी चुनाव के लिए भरा नामांकन पर्चा।

जेबीकेएसएस के सभी प्रत्याशियों का नामांकन पूर्ण, से चुनावी अभियान शुरू

बड़कागाँव से संजय मेहता समेत कुल 16 उम्मीदवार मैदान में

संजय परिवारवाद पर हुए हमलावर, बड़कागाँव को बताया कर्मभूमि

झारखण्ड बचाओ क्रांति सेना समिति (जेबीकेएसएस) के सभी 16 प्रत्याशियों की ओर से नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। आज शनिवार से जेबीकेएसएस का चुनावी अभियान शुरू हो जाएगा। समिति की ओर से धनबाद, बड़कागाँव, कांके, हटिया, निरसा जैसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में शिक्षित एवं युवा उम्मीदवारों को उतारा गया है, जिस वजह से समाज का पढ़ा-लिखा एवं युवा वर्ग का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। केन्द्रीय अध्यक्ष संजय मेहता का विज़न- पढे लिखे लोगों का राजनीति में आना को लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है।

वहीं संजय मेहता ने भी शुक्रवार को अपना नामांकन पर्चा रामगढ़ के निर्वाचन कार्यालय में दाखिल कर दिया है। वे बड़कागाँव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। नामांकन के पश्चात उन्होंने कहा कि बड़कागाँव उनकी कर्म भूमि है। क्षेत्र में उन्होंने लंबे समय तक काम किया है। क्षेत्र की समस्याओं से वे अवगत हैं और लगातार विस्थापन, रैयातों के हक एवं अधिकार, स्थानीय लोगों को कंपनी की नौकरियों में आरक्षण, मुआवजा आदि जैसे मुद्दों पर अपनी लड़ाई लड़ते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बड़कागाँव में परिवारवाद एवं वंशवाद का कब्जा है। दोनों ही बड़ी पार्टियों से एक ही परिवार के लोग राजनीतिक सुख का आनंद लेने में मशगूल हैं। जनता की समस्याओं को गौण कर दिया गया है। कथित बड़े नेता कंपनी से साँठ – गांठ कर सिर्फ अपनी जेब भरने एवं अपना राजनीतिक कद बढ़ाने में लगे हुए हैं। ऐसे में यहाँ की जनता ठगी सी महसूस कर रही है और नए चेहरे की तलाश में है। इसलिए जेबीकेएसएस को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जनता परिवर्तन करने के लिए बेताब है।

मतदाता जागरूकता का हिस्सा बनेंगे महेंद्र सिंह धोनीः के रवि कुमार

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के रवि कुमार ने बताया कि मशहूर क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग के जागरूकता कार्यक्रम स्वीप का हिस्सा बनेंगे। इस आशय का पत्र उन्होंने निर्वाचन आयोग को दिया है। निर्वाचन आयोग उनकी तस्वीर का उपयोग स्वीप के कार्यक्रमों में करेगा। वहीं मतदाताओं को अधिकाधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित करनेवाली उनकी अपील का उपयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने में होगा। उन्होंने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के कार्यालय से जुड़ कर मतदाता जागरूकता अभियान में सहयोग करेंगे। कहा, नामचीन शख्सियत के जुड़ाव से मतदाता जागरूकता अभियान को बल मिलेगा। वह शुक्रवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वह शुक्रवार को हजारीबाग और रामगढ़ के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण किये और स्वीप की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम में कुछ त्रुटियां मिलीं, जिनके अविलंब निराकरण के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को प्रथम चरण के चुनाव के लिए नामांकन की अवधि खत्म हो गयी है। नामांकनों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता उल्लंघन में अब तक 16 प्राथमिकी दर्ज की गयीं हैं। उसमें सर्वाधिक 9 प्राथमिकी गढ़वा जिले में दर्ज हुईं हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 51.17 करोड़ से अधिक के अवैध सामान और नकदी जब्त किये गये हैं।

अंतर्राज्यीय समन्वय समिति की बैठकः शान्तिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने की बनी रणनीति

पुलिस मुख्यालय सभागार में पुलिस महानिदेशक, झारखंड अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में झारखंड के सीमावर्ती राज्य छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशकों एवं वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ विधान सभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अंतर्राज्यीय समन्वय समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। इस अंतर्राज्यीय समन्वय समिति की बैठक की शुरुआत में अपर पुलिस महानिदेशक अभियान, संजय आनंदराव लाठकर ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सीमावर्ती राज्यों के वरीय पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विधान सभा चुनाव 2024 की तैयारी हेतु इस बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। इस बैठक में पुलिस महानिदेशक, झारखंड ने मुख्य रूप से खुफिया जानकारियों को समय पर सक्रिय रूप से साझा करने, नोडल पदाधिकारियों की नियुक्ति करने, वामपंथी उग्रवाद परिदृश्य के आलोक में की जा रही कार्रवाई, सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर आपसी सहयोग, अवैध शराब, नशीले पदार्थ की तस्करी एवं नकदी की अवैध आवाजाही पर प्रभावी रोकथाम, सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सलियों/अपराधी तत्वों की गतिविधियों पर नकेल कसने एवं सभी स्तरों पर अंतर्राज्यीय समन्वय बैठकों के लिए तंत्र की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

खुफिया जानकारी का वास्तविक समय में सक्रिय रूप से आदान-प्रदान और नोडल अधिकारियों की नियुक्तिः पुलिस महानिरीक्षक, अभियान सह राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी, झारखंड ने झारखंड पुलिस की नक्सलवाद के खात्मे पर बनाई गई रणनीति के संबंध में अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें सीमा क्षेत्रों पर उग्रवादियों के भ्रमण एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों को अपने आसपास के थाना क्षेत्रों से साझा करने एवं सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करने हेतु सुझाव दिए गए। चुनाव कार्य हेतु राज्य से विभिन्न पुलिस पदाधिकारियों को नोडल पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

उन्होंने वामपंथी उग्रवाद से निपटने तथा नक्सलियों पर शिकंजा कसने हेतु सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता पर बल दिया। वैसे नक्सली जिन्होंने अवैध उगाही कर विभिन्न जगहों पर संपत्ति अर्जित की है, उनकी संपत्ति की जब्ती हेतु सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया गया, जिससे त्वरित कार्रवाई और नक्सलियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हो सकेगा। पुलिस महानिदेशक, झारखंड ने संबंधित सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सीमा क्षेत्रों पर उग्रवादियों के भ्रमण एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों को अपने आसपास के थाना क्षेत्रों से साझा करने एवं सूचना-तंत्र को और मजबूत करने हेतु सुझाव दिए। वामपंथी उग्रवाद से निपटने हेतु राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान/सर्च ऑपरेशन चलाने, सीमावर्ती नक्सल क्षेत्रों में चरण-बद्ध तरीके से नक्सलियों के खात्मे की सूची उपलब्ध कराते हुए संयुक्त अभियान चलाने संबंधी जानकारी दी गई।

पटाखा छोड़ते समय विशेष सावधानी बरतें : डॉ.अनंत सिन्हा

रांचीः झारखंड के जाने-माने प्लास्टिक सर्जन और देवकमल अस्पताल व देवनिका अस्पताल के संचालक/व्यवस्थापक डॉ. अनंत सिन्हा ने समस्त राज्यवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने संदेश में दीपावली पर्व के अवसर पर झारखंडवासियों के लिए शांति और सुख, समृद्धि की कामना करते हुए पटाखा छोड़ते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। डॉ.सिन्हा ने कहा है कि दीपावली के अवसर पर लोग पटाखा छोड़ते समय लापरवाही बरतते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अनार, फुलझड़ी, चकरी, रॉकेट ,आलूबम आदि पटाखे फोड़ते समय विशेष ध्यान रखें। पटाखा छोड़ने वाले स्थान के पास एक बाल्टी पानी अवश्य रखें। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर 90 फीसदी दुर्घटनाएं अनार की वजह से होती है, क्योंकि अधिकतर लोग अनार (पटाखा) हाथ में ही लेकर फोड़ते हैं।

यदि पटाखा छोड़ते वक्त असावधानी से हाथ या शरीर का अन्य अंग जल जाय तो प्रभावित भाग को पानी में लगभग दस मिनट तक डुबोये रखें। तत्पश्चात अविलंब विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लें। चिकित्सक के परामर्श के बिना जले हुए भाग पर किसी तरह का मरहम या लेप आदि न लगाएं।

उन्होंने बताया कि देवकमल अस्पताल, बजरा (इटकी रोड), रांची व देवनिका अस्पताल, तुपुदाना (हटिया) में विशेष सुविधायुक्त अत्याधुनिक बर्न यूनिट में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ के बीच बैठकर उनके प्रशिक्षण का किया अवलोकन

हजारीबाग/रामगढ़। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने अपने हजारीबाग और रामगढ़ दौरा के दौरान बीएलओ के ट्रेनिंग कार्यक्रम का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रेनिंग का वीडियो सभी प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि वे किसी प्रकार के संशय की स्थिति में वीडियो का अवलोकन कर संशय का निवारण कर सकें। मतदान केंद्रों के साज-सज्जा एवं मतदान केंद्र के अन्दर की व्यवस्था करते समय भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य करें। वह शुक्रवार को रामगढ़ के गांधी स्मारक मेमोरियल विद्यालय एवं हजारीबाग इंटर कॉलेज में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के लिए चलाए जा रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम का भौतिक निरीक्षण कर रहे थे। कुमार ने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को अधिक समय इंतजार न करना पड़े, इस हेतु मतदाता सूचना पर्ची वितरण करते समय उसमें अंकित पार्ट नंबर और सीरियल नंबर को घेर कर अवश्य चिह्नित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचना पर्ची देने के बाद संबंधित मतदाताओं से उनका हस्ताक्षर अवश्य लें। विधानसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रक्रिया में गति लाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया है, उसका अनुपालन सुनिश्चित करें। इसके अनुपालन से जहां मतदान अवधि कम होगी, वहीं मतदान प्रतिशत में इजाफा होने के साथ मतदाताओं को भी काफी सहुलियत होगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मतदान समाप्त होने के बाद मतदान के लेखे से संबंधित फॉर्म 17 C को सभी पोलिंग एजेंटों द्वारा भरावा कर ससमय उसकी रिपोर्ट करें। इस अवसर पर हजारीबाग एवं रामगढ़ जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटाखा छोड़ते समय विशेष सावधानी बरतें : डॉ.अनंत सिन्हा

रांचीः एयरटेल के नए एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सिस्टम ने झारखंड और बिहार के ग्राहकों को बड़ी राहत प्रदान की है। इस अत्याधुनिक तकनीक ने लॉन्च के मात्र 27 दिनों के भीतर ही राज्य में 224 मिलियन संभावित स्पैम कॉल और 7 मिलियन स्पैम एसएमएस संदेशों को सफलतापूर्वक पहचाना है।

अब झारखंड और बिहार में एयरटेल मोबाइल ग्राहकों को कंपनी के इस एआई-संचालित स्पैम डिटेक्शन सिस्टम का लाभ स्वचालित रूप से मिल रहा है। इस सेवा का उपयोग करने के लिए ग्राहकों को कोई अतिरिक्त अनुरोध करने या कोई ऐप डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल, झारखंड और बिहार के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर सुजॉय चक्रवर्ती ने कहा कि आज की तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया में, हमारे ग्राहक लगातार घोटालों और धोखाधड़ी के बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं, जिससे वे असुरक्षित महसूस करते हैं। इस गंभीर चुनौती को दूर करने के लिए, एयरटेल ने एक अनूठा एआई-पावर्ड तकनीक को पेश किया है। यह अत्याधुनिक तकनीक संदिग्ध स्पैम कॉल्स और मैसेज को सक्रिय रूप

से पहचानकर बिहार और झारखंड में एयरटेल के 40.27 मिलियन ग्राहकों को सशक्त बनाती है। इस पहल के माध्यम से, एयरटेल ने ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है और एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में इंडस्ट्री में नया मानक स्थापित किया है।"

एयरटेल के डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस एआई-सक्षम सेवा को बनाने में एक विशेष एल्गोरिद्म का उपयोग किया गया है, जो कॉल और एसएमएस को "सस्पेक्टेड स्पैम" के रूप में पहचानता है। नेटवर्क, एआई एल्गोरिद्म की मदद से, रियल-टाइम में यह मॉनिटर करता है कि किस नंबर से कॉल आ रहा है या किसने एसएमएस भेजे हैं। इसके अलावा, यह कॉल और एसएमएस की संख्या और कितनी देर तक कॉल हुई, इन सबका भी विश्लेषण रखता है। जब यह जानकारी पहले से ज्ञात स्पैम पैटर्न से मिलती है, तो सिस्टम संभावित स्पैम कॉल्स और एसएमएस को सटीक ढंग से पहचान लेता है।

*कर्रा थाना अंतर्गत कुल्हूटू गांव में 35 लीटर देसी शराब नष्ट किया गया

रांची। मुरहू थाना अंतर्गत ग्राम कोड़ाकेल में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध छापामारी कर लगभग 50 लीटर महुआ शराब एवं 80 kg जावा महुआ को विनष्ट किया गया।*तपकरा थाना अंतर्गत तेतर टोली में लगभग 20 लीटर महुवा शराब एवं 70 लीटर जावा महुवा नष्ट किया गया। *कर्रा थाना अंतर्गत कुल्हूटू गांव में 35 लीटर देसी शराब नष्ट किया गया। *आगामी विधानसभा चुनाव - 2024 के मद्देनजर तोरपा थाना अंतर्गत विभिन्न लाइन होटल/ढाबा/क्लब में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध चेकिंग किया गया।

मतदाता जागरूकता का हिस्सा बनेंगे महेंद्र सिंह धोनीः के रवि

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के रवि कुमार ने बताया कि मशहूर क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग के जागरूकता कार्यक्रम स्वीप का हिस्सा बनेंगे। इस आशय का पत्र उन्होंने निर्वाचन आयोग को दिया है। निर्वाचन आयोग उनकी तस्वीर का उपयोग स्वीप के कार्यक्रमों में करेगा। वहीं मतदाताओं को अधिकाधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित करनेवाली उनकी अपील का उपयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने में होगा। उन्होंने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के कार्यालय से जुड़ कर मतदाता जागरूकता अभियान में सहयोग करेंगे। कहा, नामचीन शख्सियत के जुड़ाव से मतदाता जागरूकता अभियान को बल मिलेगा। वह शुक्रवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि वह शुक्रवार को हजारीबाग और रामगढ़ के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण किये और स्वीप की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम में कुछ त्रुटियां मिलीं, जिनके अविलंब निराकरण के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को प्रथम चरण के चुनाव के लिए नामांकन की अवधि खत्म हो गयी है। नामांकनों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता उल्लंघन में अब तक 16 प्राथमिकी दर्ज की गयीं हैं। उसमें सर्वाधिक 9 प्राथमिकी गढ़वा जिले में दर्ज हुईं हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 51.17 करोड़ से अधिक के अवैध सामान और नकदी जब्त किये गये हैं।

AJSU सुप्रिमो सुदेश महतो ने किया नामांकन, हिमंता बिस्वा सरमा रहे मौजूद

आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने सिल्ली विधानसभा सीट से नामांकन कर लिया है। पर्चा भरने के दौरान सुदेश के साथ असम के सीएम सह भाजपा झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा मौजूद रहे। नामांकन से पहले मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से समाहरणालय तक पदयात्रा का आयोजन किया गया।

पदयात्रा में हिमंता विश्व सरमा, सुदेश महतो की पत्नी नेहा महतो समेत एनडीए के कई नेता और हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। बता दें कि झारखंड में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। पहला 13 नवंबर और दूसरा 20 नवंबर को। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। पहले फेज में 43 सीटों पर चुनाव कराये जायेंगे, वहीं दूसरे फेज में 38 सीटों पर मतदान कराये जायेंगे। झारखंड में आज पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। बता दें कि सिल्ली में दूसरे चरण में चुनाव होना है।

50 लीटर महुआ शराब एवं 80 kg जावा महुआ को विनष्ट किया

रांची। मुरहू थाना अंतर्गत ग्राम कोड़ाकेल में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध छापामारी कर लगभग 50 लीटर महुआ शराब एवं 80 kg जावा महुआ को विनष्ट किया गया।तपकरा थाना अंतर्गत तेतर टोली में लगभग 20 लीटर महुवा शराब एवं 70 लीटर जावा महुवा नष्ट किया गया।कर्रा थाना अंतर्गत कुल्हूटू गांव में 35 लीटर देसी शराब नष्ट किया गया।आगामी विधानसभा चुनाव - 2024 के मद्देनजर तोरपा थाना अंतर्गत विभिन्न लाइन होटल/ढाबा/क्लब में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध चेकिंग किया गया।

दो राउंड जिंदा गोली एवं एक जियो कंपनी का की-पैड मोबाईल बरामद

गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कपाली ओ०पी० अंतर्गत स्थित अंसार नगर, डैमडुबी में एक व्यक्ति के घर में हथियार है। त्वरित कारवाई करने पर उस व्यक्ति को पकड़ा जा सकता है, एवं हथियार भी बरामद किया जा सकता है। इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी महोदय को अवगत कराते हुये पुलिस अधीक्षक महोदय, सरायकेला खरसावां के दिशा निर्देश में त्वरित कारवाई करते हुये छापामारी दल के द्वारा उक्त व्यक्ति के घर पर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में पकडाये गये अभिः 1. शेख समीर उर्फ शेख सदाय, उम्र करीब 23 वर्ष, पिता शेख शीकत, पता हांसागरी, नियर फातिमा मस्जिद, थाना-कपाली ओ०पी०, जिला-सरायकेला खरसावां के निशानदेही पर अभि० अरबाज अंसारी, उम्र 35 वर्ष, पिता आरिफ अंसारी, पता अंसार नगर, डैमडुबी, थाना चांडिल (कपाली ओ०पी०), जिला सरायकेला खरसावा के घर से एक अवैध देशी पिस्टल लोडेड अवस्था में मैगजीन उतारकर देखने पर दो राउंड जिंदा गोली एवं एक जियो कंपनी का की-पैड मोबाईल बरामद किया गया। तत्पश्चात स०अ०नि० मो० वसीर खान के टंकित आवेदन के आधार पर चांडिल (कपाली ओ०पी०) थाना कांड सं0-238/24, दि०-24.10.24, धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट 1959 के अंतर्गत प्राथमिकी अभि० 1. अरबाज अंसारी, उम्र 35 वर्ष, पित्ता-आरिफ अंसारी, पता-अंसार नगर, दैमडुबी 2. शेख समीर उर्फ शेख सदाब, उम्र करीब 23 वर्ष, पिता शेख शौकत, पता हासाडुंगरी, नियर फातिमा मस्जिद, 3. अफाक, पिता एनुल, पता-हासागरी तीनो थाना चांडिल (कपाली ओ०पी०), जिला-सरायकेला खरसावा के विरूद्ध दर्ज किया गया तथा प्राथमिकी दर्ज होने के उपरांत मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर शेष बचे अभि० अफाक, पिता एनुल, पता-हासाडुंगरी, कपाली को भी गिरफतार किया गया। उपरोक्त पकड़ाये तीनो अभियुक्तो को गिरफतार कर दि0-25.10.24 को माननीय न्यायालय में उपस्थापन पश्चात न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफतार अभियुक्त का नाम-पताःअरबाज असारी, उम्र 35 वर्ष, पिता आरिफ अंसारी, पता असार नगर, डैमडुबी 2.शेख समीर उर्फ शेख सदाब, उम्र करीब 23 वर्ष, पिता शेख शीकत, पता-हांसाडुगरी, नियर फातिमा मस्जिद,

जेल में बंद आलमगीर का टिकट कटा, पत्नी निशत आलम को पाकुड़ सीट से मिला मौका

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर गुरुवार को कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें तस्वीर साफ की गई है। पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रहे अपने सीनियर नेता आलमगीर आलम की जगह उनकी पत्नी निशत आलम को पाकुड़ से मौका दिया है। आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। इससे पहले चर्चा थी कि आलमगीर आलम अपनी जगह अपने बेटे तनवीर आलम के लिए टिकट चाह रहे थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने बेटे की जगह उनकी पत्नी को टिकट देने का फैसला लिया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भी दिल्ली से लौटने के बाद यह भरोसा दिलाया गया था कि आलमगीर आलम की जगह उनके पुत्र तनवीर आलम को उम्मीदवार बनाया जाएगा।

वाहन कोषांग एवं सामग्री कोषांग से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक

रांची। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, वरुण रंजन द्वारा समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित कार्यालय कक्ष में वाहन कोषांग एवं सामग्री कोषांग से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक करते हुए सम्बंधित अधिकारी को ससमय सारी चीजें सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सामग्री कोषांग उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, वरुण रंजन द्वारा सभी अविधिक, विधिक पैकेट अन्य सामग्री, स्टेशनरी आइटम सम्बंधित जानकारी लेते हुए CEO कार्यालय से प्राप्त हुई सूची की समीक्षा की गई। सम्बंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा की समयबद्ध तरीके से योजना बनाते हुए जो सामग्री सम्बंधित कार्य बचें हुए हैं उसे ससमय पूरा करने को कहा गया।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, वरुण रंजन द्वारा विशेष रूप से कहा गया की सम्बंधित पदाधिकारी यह सुनिश्चित कर ले के चेक लिस्ट अनुसार सामग्री हो, साथ ही अब तक कितना बैग विधानसभावार तैयार हुआ हैं इसकी जानकारी ली साथ ही उन्होंने प्रत्येक दिन का प्रोग्रेस रिपोर्ट बना कर दे।

वाहन कोषां उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, श्री वरुण रंजन द्वारा वाहन कोषांग की समीक्षा बैठक करते हुए वाहनों से सम्बंधित सारी व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। रुट चार्ट को 2 दिनों के अंदर सभी विधानसभावार अंतिम रूप से वेरिफिकेशन करते हुए वाहन का टैगिंग पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके अतरिक्त पेट्रोल पम्प वाहन मिस्त्री की सूची सभी प्रखंडवार प्राप्त करने करने का निर्देश दिया गया। मतदान कर्मियों हेतु वाहनों की व्यवस्था तथा जिला स्तरीय विभिन्न कोषांगो से वाहनों की आवश्यकता का आंकलन कर कोषांग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। मतदान कर्मियों के डिस्पैच के दिन मोरहाबादी मैदान में चालकों एवं अन्य के लिए दीदी किचन, पेयजल, शौचालय इत्यादि की व्यवस्था कराने हेतु सम्बंधित पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया।

मतदान कर्मियों की सुविधा हेतु NCC वॉलिंटियर को लगाया जायेगा जो मतदान दल को की मदद करेंगे।

विधानसभा सभा चुनाव को लेकर लगातार बैठक करते हुए सभी तैयारियों ससमय सुनिश्चित कराने के निर्देश उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, वरुण रंजन द्वारा विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हर दिन सभी चुनाव से जुड़ी कार्यों की समीक्षा की जा रही हैं। सभी सम्बंधित कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं चुनाव कार्य से जुड़े सभी अधिकारी/ पदाधिकारी को निर्देश देते हुए ससमय सभी सम्बंधित कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया जा रहा हैं। सभी सम्बंधित पदाधिकारी को शांति पूर्ण मतदान कराने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिया जा रहा हैं।

स्वीप रांची द्वारा 'रन फॉर चेंज, वोट फॉर द फ्यूचर' थीम के तहत एक भव्य मैराथन का भव्य आयोजन किया गया

रांची। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को मोरहाबादी मैदान रांची में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वीप रांची द्वारा 'रन फॉर चेंज, वोट फॉर द फ्यूचर' थीम के तहत एक भव्य मैराथन का भव्य आयोजन किया गया।

रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में बॉयज के लिए 7.5 किलोमीटर और गर्ल्स के लिए 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया गया। लोगों का उत्साह देखते बन रहा था इस कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 700 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी की गई। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, श्री वरुण रंजन, उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक शहर रांची, श्री राज कुमार मेहता द्वारा मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में परीक्ष्यमान सहायक दण्डाधिकारी सह सहायक समाहर्ता, रांची, आदित्य पांडेय, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सुरभि सिंह, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रांची, श्रीमती उर्वशी पांडेय समेत अन्य सभी प्रशासनिक अधिकारियों उपस्थित थे। पूरी ऊर्जा के साथ दौड़ लगाई

मैराथन का माहौल बेहद जोशीला और उत्साहवर्धक था। जहाँ युवा, बुजुर्ग, विद्यार्थी, और खेल प्रेमियों ने मतदाता जागरूकता का संदेश फैलाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ दौड़ लगाई। प्रतिभागियों ने इस मैराथन को सिर्फ एक प्रतियोगिता के रूप में नहीं बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लिया।

विजेताओं को सम्मानित करने के लिए कुल 36000 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि वितरित की गई। बॉयज कैटेगरी में प्रिंस राज ने पहला स्थान हासिल किया। विकास राय ने दूसरा और मनीष कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, गर्ल्स कैटेगरी में आशा कुमारी पहले स्थान पर रहीं, पूजा सिंह दूसरे और ममता कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 10000 हजार रुपये, दूसरे स्थान पर 5000 हजार रुपये और तीसरे स्थान पर 3 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

वोट डालने के प्रति जिम्मेदारी का एहसास भी कराया इस मैराथन ने ना सिर्फ खेल और सेहत के प्रति जागरूकता फैलाई बल्कि सभी वर्गों के बीच वोट डालने के प्रति जिम्मेदारी का एहसास भी कराया।

विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित करते हुए मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

मांडर में आदिवासी समुदाय के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक किया। अपने समुदाय के समुचित विकास पर चर्चा हुई। प्रबुद्धजनों का सुझाव लिया। उनसे आग्रह किया कि आदिवासी समाज की सुरक्षा और संरक्षण के लिए भाजपा के साथ आएं, मांडर में कमल खिलाएं।

झारखंड पुलिस मुख्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड, अजय कुमार सिंह एवं पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) आर.के. मल्लिक द्वारा चयन में पदोन्नत किए गए पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राकेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, पलामू एवं रित्विक श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक, चतरा को बैज लगाकर शुभकामनाएं दी गईं।

समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। आर.के. मल्लिक, पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय), संजय आनंद राव लाठकर, अपर पुलिस महानिदेशक (अभियान), श्रीमती प्रिया दुबे, अपर पुलिस महानिदेशक (झा०स०पु०), मनोज कौशिक, पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय), साकेत कुमार, पुलिस महानिरीक्षक (सीआरपीएफ), अखिलेश झा, पुलिस महानिरीक्षक (रांची); अमोल विनुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान); प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक (विशेष शाखा); नरेंद्र कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (पलामू); माइकल राज एस., पुलिस महानिरीक्षक (बोकारो); राजकुमार लकड़ा, पुलिस महानिरीक्षक (जेप); एवं नौशाद आलम, पुलिस उप-महानिरीक्षक (बजट) सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विदेशी शराब के तीन तस्कर गिरफ्तार

विगत कई माह से सरायकेला जिला में पुलिस अधीक्षक महोदय सरायकेला – खरसावाँ के निर्देशानुसार अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री तथा मादक पदार्थों की बरामदगी हेतु निरंतर छापामारी अभियान चलाया जा रहा है । इसी छापामारी के क्रम में दिनांक- 18.10.2024 को कुचाई थाना अंतर्गत लोपटा गाँव के जंगली पहाड़ी क्षेत्र के एक कच्चे मकान से छापामारी कर पाँच व्यक्तियों को अवैध अग्रेजी शराब की बोतल एवं कार्टुन में पैक करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा अवैध अंग्रेजी शराब करीब 4000 लीटर एवं 800 लीटर स्प्रीट एवं अन्य सामान बरामद किया गया था । इस संदर्भ में कुचाई थाना कांड सं0- 34/2024 दिनांक- 18.10.2024 धारा- 336/338/340/341 BNS एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम, कॉपी राईट एक्ट अधिनियम की धारा- 63 के अतंर्गत 10 व्यक्तियों के विरूद्ध कांड दर्ज किया गया था । इस काण्ड के फरार अभियुक्त (1) मधुसुदन प्रधान उर्फ मधु,(2) अजय मण्डल एवं (3) श्याम सुन्दर मण्डल उर्फ शंभु मण्डल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है शेष फरार अभियुक्तों के विरूद्ध छापामारी जारी है । गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पताः – 1. मधुसुदन प्रदान उर्फ मधु, उम्र करीब 37 वर्ष,पिता- शन्तो कुमार प्रधान उर्फ शत कुमार प्रधान, ग्राम- खुदीपीड़ी, थाना- खरसावाँ, (आमदा ओ0 पी0) । 2. अजय मण्डल, उम्र करीब 29 वर्ष, पिता- दिलीप मण्डल, ग्राम- पदमपुर, थाना – खरसावाँ (आमदा ओ0 पी0)। 3. श्याम सुन्दर मण्डल शंभु मण्डल, उम्र करीब 37 वर्ष, पिता- जय नारायण मण्डल, ग्राम- ढलाईकेला, थाना- खरसावाँ, (आमदा ओ0 पी0), मधुसूदन प्रधान उर्फ मधु, पे०-सत कुमार प्रधान, सा०-खुदीपीड़, थाना- खरसावाँ, जिला- सरायकेला- खरसावाँ ।

2 प्रत्याशियों ने किया नॉमिनेशन

38 सिंदरी विधानसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार तारा देवी ने निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया।

जबकि 40 धनबाद विधानसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राज सिन्हा ने निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया।

वहीं विधानसभा चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी होने के चौथे दिन 13 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे।

जिसमें 38 सिंदरी विधानसभा के लिए सामान्य वर्ग के 2 व अनुसूचित जाति / जनजाति का एक, 39 निरसा के लिए सामान्य वर्ग व अनुसूचित जाति / जनजाति के एक-एक, 40 धनबाद विधानसभा के लिए सामान्य वर्ग के 2, 41 झरिया विधानसभा के लिए सामान्य वर्ग में 2, 42 टुंडी के लिए सामान्य वर्ग व अनुसूचित जाति/ जनजाति के एक-एक तथा 43 बाघमारा विधानसभा के लिए सामान्य वर्ग में 2 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र खरीदे।

वहीं शुक्रवार तक कुल 75 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है। जिसमें 38 सिंदरी विधानसभा के लिए 8, 39 निरसा के लिए 7, 40 धनबाद के लिए 20, 41 झरिया के लिए 11, 42 टुंडी के लिए 17 एवं 43 बाघमारा विधानसभा के लिए 12 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है।

शनिवार व रविवार को नहीं होगा नामांकन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बताया कि धनबाद जिले के सभी छः विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शनिवार (26.10.2024) एवं रविवार (27.10.2024) को नामांकन नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर 2024 को महिने का चौथा शनिवार एवं 27 अक्टूबर 2024 को रविवार होने के कारण दोनों दिन नामांकन नही होगा। नामांकन की प्रक्रिया पुनः सोमवार, 28 अक्टूबर 2024 से शुरू होगी।

अच्छा माहौल बनाने हेतु आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाना आवश्यक है

वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद के निर्देशानुसार धनबाद जिला में आम जनमानस में नकारात्मक भाव रोकने एवं निवेश आदि के लिए अच्छा माहौल बनाने हेतु आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाना आवश्यक है। शहर में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के रहने से पूर्व में घटित सनसनीखेज घटनाओं का खुलासा संभव हो पाया है। धगबाद अनुमंडल क्षेत्रानार्गत शहरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील, भीड़ भाड़ वाले स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं उसके सुचारू रूप से कियान्वयन / संचालन हेतु आवश्यक है।

अतः उक्त के आलोक में सीसीटीवी कैमरा की महत्ता एवं अवश्यकता को देखते हुए धनबाद अनुमंडल क्षेत्रान्तर्गत शहरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील, भीड़-भाड़ वाले स्थलों / संस्थानों/ प्रतिष्ठागों के शुचारू रूप से क्रियान्वयन / संचालन हेतु धनबाद अनुमण्डल अंतर्गत विभिन्न संस्थानों / प्रतिष्ठानों के संचालक / प्रभारी को निम्न आदेश दिया जाता है-

1. सभी बैंक एवं वित्तीय लेनदेन संस्थान, सभी ए०टी०एम०, सभी ज्वेलरी दुकानें एवं मल्टी स्टोरी फ्लैट / हाउसिंग सोसाईटी, सभी शराब दुकान, सभी ऑटो एवं बस स्टेशन, सभी दवा दुकान, सभी प्राईवेट अपार्टमेंट एवं हॉस्टल, सभी मॉल एवं मार्केटिंग कम्प्लेक्स के भीतर एवं बाहर, सभी पार्किंग स्थलों एवं अन्य सभी महत्वपूर्ण व्यवसायिक संस्थान में अच्छी गुणवता के सीसीटीवी कैमरा पर्याप्त संख्या में लगाना सुनिश्चित करेंगे। इन कैमरों में या तो रिकार्डिंग सिस्टम होगा या फिर कैमरे की लाइव फीड को Cloud पर भेजने की व्यवस्था होगी। ये कैमरे अंकित स्थानों के भीतर एवं बाहर लगाना सुनिश्चित करेंगे।

2. कैमरे की संख्या इतनी होनी चाहिए कि उक्त प्रतिष्ठान के आस-पारा पड़ने वाले पब्लिक एरिया (आम जगह) जहाँ पर आम जनता के आवागमन की संभावना हो, को कवर किया जा सके एवं उक्त कैमरे के माध्यम से उक्त एरिया पर नजर रखी जा सके।

3. कैमरा लगाते समय इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाय कि किसी की निजता भंग न हो। विशेष कर जिस क्षेत्र में महिला, बच्चे इत्यादि रहते हो या प्रयोग करते हो उस क्षेत्र का कवरेज न हो।

4. प्रत्येक ऐसे संस्थान/प्रतिष्ठान के प्रभारी की जिम्मेवारी होगी कि वे सुनिश्चित करें कि वे सीसीटीवी कैमरा सही ढंग से कार्य करें।

5. यदि इन सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्डिंग सिस्टम है तो रिकॉर्डिंग को 15 दिनों तक सुरक्षित रखा जायगा। यदि रिकार्डिंग Cloud पर भेजी जा रही है तो भी सुनिश्चित किया जाए कि 15 दिनों तक सुरक्षित रहे।

6. प्रतिष्ठानों की जवाबदेही होगी कि यदि उक्त क्षेत्र के स्थानीय पुलिस (थाना प्रभारी) के द्वारा लिखित रूप में किसी अवधि की कैमरे की रिकॉर्डिंग/फीड मांगी जाती है तो वह उसे अविलंब उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।उपरोक्त आदेश को अति आवश्यक समझा जाय।

झारखंड पुलिस मुख्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया

रांची।विधानसभा 2024 में रांची जिला अंतर्गत 65-कांके विधानसभा क्षेत्र से अंतिम दिन तक कुल 16 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। अभ्यर्थियों के नाम निम्न हैं :-

1. अजीत कुमार रवि
2. फुलेश्वर बैठा
3. राजन नायक ल
4. दीपशिखा कुमारी
5. डॉ जीतू चरण राम
6. अशोक कुमार नाग
7. मधुसूदन कुमार
8. सुरेश कुमार बैठा

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जिले के अलग अलग क्षेत्रों जागरूकता कार्यक्रम किया गया

बोकारो : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले अलग अलग क्षेत्रों में कार्यक्रम किया गया, जिसके तहत शुक्रवार को श्रमधीक्षक बोकारो द्वारा आई.ई.एल. गोमिया के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किया गया। साथ ही सभी कर्मियों को आगामी 20 नवंबर 2024 को मतदान करने हेतु शपथ भी दिलाया गया।

वहीं गैर सरकारी स्कूल पल्स मॉडर्न स्कूल बोकारो थर्मल के कर्मियों द्वारा मतदाता जागरूकता किया। साथ ही सभी लोगों ने शपथ भी लिया कि आगामी 20 नवंबर को खुद मतदान करेंगे तथा दूसरों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित भी करने की बात कहीं।

उसी तरह डीवीसी के मजदूरों व कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी ने मतदाता प्रतिज्ञा लिया। इस दौरान सभी ने कहा कि हम लोग आगामी 20 नवंबर, 2024 को होने वाले मतदान में शामिल होंगे तथा अपने परिवार के सभी सदस्यों तथा अपने आसपास के लोगों को भी शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे।

हेमंत सोरेन कितने पढ़े-लिखे हैं, झारखंड के मुख्यमंत्री ने खुद बता दी सच्चाई

रांचीः झारखंड में विधानसभा चुनाव चल रहा है। झारखंड चुनाव 2024 के लिए प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेएमएम के प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया। हेमंत सोरेन ने साहेबगंज जिले के बरहेट विधानसभा क्षेत्र से पर्चा दाखिल किया है। इस दौरान उन्होंने अपने शैक्षणिक योग्यता का भी खुलासा किया। हेमंत सोरन ने अपने चुनावी हलफनामे (शपथपत्र) में खुद बताया है कि वो कितने पढ़े-लिखे हैं। आइए जानते हैं पूरी डिटेल **हेमंत सोरेन ने की है 12वीं तक की पढ़ाई** हेमंत सोरेन ने बताया है कि उन्होंने 12वीं तक पढ़ाई की है। उन्होंने यह जानकारी विधानसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने 1994 में पटना विश्वविद्यालय से साइंस में इंटरमीडिएट की डिग्री ली है। बता दें, हेमंत सोरेन झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वह झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। वह झारखंड के दिशोम गुरु कहे जाने वाले शिबू सोरेन के पुत्र हैं। हेमंत सोरेन ने चुनाव आयोग को दिए अपने अपने शपथ में पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन का भी जिक्र किया है। हेमंत सोरेन ने बताया कि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी राजनीति में सक्रिय हैं। वह गांडेय विधानसभा सीट से विधायक हैं हेमंत सोरेन ने अपने बड़े भाई दुर्गा सोरेन के आकस्मिक निधन के बाद राजनीति में प्रवेश किया था। तब से, वह झारखंड की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं। हेमंत सोरेन का राजनीतिक करियर उनके पिता शिबू सोरेन की विरासत से जुड़ा है, जिन्होंने झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हेमंत सोरेन ने भी आदिवासी हितों के लिए आवाज उठाई है और राज्य के विकास के लिए काम करने का वादा किया है।

JMM ने सरायकेला में चंपाई सोरेन के खिलाफ गणेश महली को मैदान में उतरा, खूंटी सें स्नेहलता की जगह रामसूर्य होंगे उम्मीदवार

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने सरायकेला विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के खिलाफ गणेश महली को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं खूंटी विधानसभा सीट से स्नेहलता कुंडलना की जगह रामसूर्य मुंडा को उम्मीदवार बनाया गया है। सरायकेला के जेएमएम प्रत्याशी गणेश महली ने वर्ष 2014 और 2014 में बीजेपी प्रत्याशी के रूप में चंपाई सोरेन को कड़ी टक्कर दी। चंपाई सोरेन और गणेश महली के अब फिर से एक-दूसरे के सामने चुनाव मैदान में होंगे लेकिन दोनों ही नेता अलग-अलग दलों से उम्मीदवार होंगे। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में जेएमएम प्रत्याशी चंपाई सोरेन को 111554 वोट मिले थे, जबकि बीजेपी के गणेश महली को 95887 वोट मिले। इससे पहले 2014 के चुनाव में चंपाई सोरेन को 94746 वोट मिले और गणेश महली को 93631 वोट मिले थे। इस तरह से दो बार गणेश महली काफी कम अंतर से चंपाई सोरेन से चुनाव में हार गए। इस बार सरायकेला में जोरदार टक्कर होने की होने की संभावना है। 31 जनवरी 2024 को हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी के बाद चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी। लेकिन उनके जेल से निकलने बाहर निकलने पर भी चंपाई सोरेन ने पद छोड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाई तो जेएमएम विधायक दल की बैठक बुलाकर हेमंत सोरेन को फिर से नेता चुन लिय गया। हेमंत सोरेन के फिर से सीएम बनने के बाद चंपाई सोरेन ने मंत्री पद भी स्वीकार कर लिया। लेकिन बाद में वो बीजेपी में शामिल हो गए और मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। गणेश महली तीन दिन पहले ही जेएमएम में शामिल हुए बीजेपी के वरिष्ठ नेता रहे गणेश महली तीन दिन पहले ही झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हुए थे। लेकिन पहली, दूसरी और तीसरी सूची में सरायकेला सीट से उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया गया।

झारखंड पुलिस मुख्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया

बोकारो :- विधानसभा चुनाव 2024 अंतर्गत बोकारो जिलों के चारों विधानसभा क्षेत्र (34 गोमिया, 35 बेरमो, 36 बोकारो एवं 37 चंदनक्यारी) की अधिसूचना जारी होने के चौथे दिन शुक्रवार को नाम निर्देशन के लिए कुल 08 लोगों ने नामांकन प्रपत्र लिया, जो अबतक चारों विधानसभा में कुल 56 लोगों ने लिया है। जबकि, आज दिन शुक्रवार को कुल 03 उम्मीदवारों ने संबंधित निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। निर्वाची पदाधिकारी ने बताया कि चौथे दिन कुल 08 लोगों ने नामांकन प्रपत्र अनुमंडल नजारत शाखा से विधि सम्मत शुल्क भुगतान कर लिया। वहीं, 03 उम्मीदवार नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। -: नामांकन प्रपत्र दाखिल की सूची :- 34- गोमिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से क्रमश :- 1. श्री योगेंद्र प्रसाद, पिता विश्वनाथ महतो 35- बेरमो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से क्रमश 36- बोकारो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से क्रमश :- 1. श्री बिरंची नारायण, पिता सदानंद प्रसाद। 2. श्री मनोज कुमार महली, पिता स्वर्गीय मेघलाल महली 37- चंदनकियारी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से क्रमश :- आज (दिनांक 25.10.2024) को नामांकन प्रपत्र खरीदने वालों के नाम निम्न हैः- -: 34- गोमिया विधानसभा निर्वाचन, 2024 :- 1. श्री अमरेश कुमार महतो, पिता सूचंद महतो, पता दुर्गापुर, कसमार, जिला बोकारो। पार्टी का नाम : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा -: 35- बेरमो विधानसभा निर्वाचन, 2024 :- 1. श्री जयराम कुमार महतो, पिता स्वर्गीय कृष्ण प्रसाद महतो, पता चित्तरपुर तोपचांची, जिला धनबाद। पार्टी का नाम : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा 2. श्री उमा शंकर शास्त्री, पिता महेश पाण्डेय, पता बेरमो बस्ती कुरपनिया गांधी नगर जिला बोकारो। पार्टी का नाम : जेबीकेएसएस -: 36- बोकारो विधानसभा निर्वाचन, 2024 :- 1. श्री धर्मवीर सिंह, पिता देवता प्रसाद सिंह, पता सेक्टर- 4/जी

दो दिवसीय स्वीप महोत्सव का किया जाएगा आयोजन

विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा मतदाताओं को उनके एक-एक वोट का महत्व समझाने के उद्देश्य से शनिवार, 26 अक्टूबर एवं रविवार, 27 अक्टूबर, को रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में दो दिवसीय स्वीप महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इसका आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 26/10/2024 को संध्या 04:00 बजे से रात्रि 09:00 तक एवं दिनांक 27/10/2024 को सुबह 10:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक किया जाएगा। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं द्वारा क्वीज, कैनवस पेंटिंग, सोलो एवं ग्रुप सौंग, सोलो एवं ग्रुप डांस, मेमे इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

रविवार, 27 अक्टूबर को, आर्ट-81 महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मतदाता जागरूकता से संबंधित 81 पेंटिंग प्रदर्शित की जाएगी।

उक्त सूचना पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को सूचना प्राप्त हुआ कि रामगढ़ रांची एन०एच०-33 पक्की सड़क गण्ड़के घाटी के पास एक ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 डोडा लोड कर जा रहा है। उक्त सूचना पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 को रोकने का प्रयास किया गया तो ट्रेलर चलाक पुलिस को देख कर बाहन को तेजी से रामगढ़ की ओर भगाने लगा, भागने के क्रम में चुटूपालू घाटी गण्डके मोड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 को छापामारी दल के पुलिस पदाधिकारी के द्वारा जाँच करने पर पाया गया कि लोड लोहा के उपर में कुछ भरी हुई बोरी रखी हुई है। बोरी को खोल कर जाँच किया गया तो बोरी में सुखा हुआ डोडा पाया गया। चालक से नाम पता पुछने पर वह अपना नाम बालकरण सिंह, पिता-गमदुर सिंह पता जीदा थाना-नैवाड़ा जिला-मटींडा (पंजाब) बताते हुए अपने को ट्रेलर नं० PB03AP-9945 का मालिक सह चालक बताया। उक्त स्थल पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 की तलाशी लिया गया तो वाहन पर 28 प्लास्टिक की बोरियों को बारी-बारी से खोलकर DD Kit के माध्यम से चेक किया गया। 28 प्लास्टिक बोरियों में सुखा हुआ प्रतिबंधित डोडा (Poppy strow) भरा पाया गया। पकड़ाये वाहन चालक सह मालिक बालकरण सिंह से प्रतिबंधित डोडा के संबंध में वैध कागजात की मांग किया गया तो उनके द्वारा कोई वैध कागजात नहीं दिखाया और प्रारंभिक पुछताछ के दौरान बताया कि वह अपने वाहन पर झारखण्ड के सिमडेगा से बोरियों में डोडा लोडकर पंजाब के विभिन्न जगहों पर बिक्री करते है। पकड़ाय चालक के द्वारा आगे बताया गया कि दिनांक 21.10.2024 को ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 पर राउरकेला (उडिसा) से लोहा लोड कर बटाला (पंजाब) के लिए निकला था तथा रास्ते में दिनांक 24.10.2024 को सिमडेगा से 28 प्लास्टिक के बोरियों में भरा सुखा डोडा को वाहन पर लोड कर पंजाब ले जा रहे थे। बरामद 28 प्लास्टिक बोरियों में भरा डोडा का वजन कराया गया तो कुल 543.055 किलो ग्राम प्रतिबंधित डोडा बरामद हुआ। अवैध रूप से वाहन पर बोरियों में छिपा कर प्रतिबंधित डोडा रखना, बिक्री करने हेतू परिवहन करने के आरोप में पकड़ाये बालकरण सिंह पिता गमदुर सिंह पता-जीदा थाना-नैवाड़ा जिला-भटींडा (पंजाब) को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में ट्रेलर नं0 PB03AP-9945 मालिक सह चालक बालकरण सिंह, पिता-गमदुर सिंह पता जीदा थाना-नैवाड़ा जिला-भटीडा (पंजाब) एवं अन्य के विरूद्ध रामगढ़ थाना काण्ड सं0-334/2024, दिनांक 24.10.2024, धारा 281/324 (4) BNS and 15(c)/25 NDPS Act अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी। रनिया थाना अंतर्गत अम्बापकना में आयोजित इंद मेला में रनिया थाना प्रभारी द्वारा मेला में आये आमजनो को राज्य में लगे आदर्श आचार संहिता के बारे बताते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में बढ़चढ़ कर अपने -अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया तथा अवैध अफीम पोस्ता कि खेती से होने वाले दुष्परिणाम एवं कानूनी करवाई, नशापान के दुष्परिणाम तथा पुलिस का मदद पाने हेतु डायल 112 पर कॉल करने, ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर डायल 1930 कि जानकारी देते हुए कॉल कर शिकायत दर्ज कराने हेतु जागरूक किया गया साथ ही साथ डायन बिसाही जैसे कुप्रथा के बारे अवगत कराया गया।

* रनिया थाना अंतर्गत गड़हातु गांव में अवैध शराब के बिरुद्ध छापामारी कर भारी मात्रा में जावा महुआ को विनष्ट किया गया।

वाहन चेकिंग में 6.40 लाख बरामद

शुक्रवार संध्या तक कुल 1.65 करोड़ से अधिक नगद राशि बरामद

विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना व ओ.पी. क्षेत्रों में सघन जांच अभियान जारी है। साथ ही मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए नगद राशि, शराब सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की रोकथाम के लिए 11 इंटर स्टेट तथा 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट बनाए गए हैं। जहां लगातार आने जाने वाले हर छोटे बड़े वाहनों की कड़ाई से जांच की जा रही है।

इस क्रम में शुक्रवार को संध्या 7:00 बजे तक कतरास व सिंदरी थाना क्षेत्र तथा भौंरा ओ.पी. में फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने जांच के दौरान 6 लाख 40 हजार रुपए नगद बरामद किए।

इसके विस्तृत जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान कतरास थाना क्षेत्र से 1 लाख 40 हजार, सिंदरी थाना क्षेत्र से 3 लाख एवं भौंरा ओपी से 2 लाख रुपए नगद बरामद किए गए।

वहीं आज बरामद की गई राशि को लेकर अब तक फ्लाइंग स्क्वॉड टीम व स्टेटिक सर्विलांस टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्र व ओ.पी. में छोटे बड़े वाहनों की जांच करने के दौरान कुल 1 करोड़ 65 लाख 23 हजार 654 रुपए नगद बरामद किए हैं।

जरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में शुक्रवार को वाटिका खंड के अरुण, उदय एवं प्रभात कक्षा के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों की गोष्ठी का आयोजन

रजरप्पा रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में शुक्रवार को वाटिका खंड के अरुण, उदय एवं प्रभात कक्षा के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ प्राचार्य उमेश प्रसाद, कार्यक्रम के अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अभिभावक गोष्ठी में छात्रों की प्रगति, शैक्षणिक उपलब्धियों और आगामी शैक्षणिक योजनाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्राचार्य, आचार्य और अभिभावकों ने मिलकर विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किया। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और स्कूल के प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। अभिभावकों ने कहा इस प्रकार की गोष्ठी से हमें विद्यालय और शिक्षकों के प्रयासों के बारे में जानकारी मिलती है, जो हमारे बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य ने कहा कि अभिभावक अपना बहुमूल्य समय बच्चों के साथ बिताएं। जिससे बच्चे अपने अभिभावक के साथ घुल मिल जाएं और अपनी संपूर्ण बात उनसे कर सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना है कि बच्चे मातृभाषा में अधिक से अधिक अध्ययन करें, जिससे घर में एक शैक्षिक वातावरण का निर्माण हो सके। इस प्रकार की गोष्ठी से हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं और छात्रों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में भैया बहनों के द्वारा मनमोहक गीत, नृत्य की प्रस्तुति की गई। अभिभावकों का स्वागत पूनम सिंह ने किया।आचार्या अमृता चौधरी के द्वारा अभिभावकों के बीच विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को करवाया गया। कार्यक्रम के महत्व पर सिम्पल दीदी ने प्रकाश डाला. वही अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम का संचालन आचार्या ललिता गिरि ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्य दीदी की प्रमुख भूमिका रही।

धनबाद :गैस टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा, यातायात कई घंटों तक प्रभावित

धनबाद जिले के तोपचांची में शुक्रवार की अहले सुबह एनएच पर सुभाष चौक के पास एक गैस टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में चालक को मामूली चोटें आई हैं। टैंकर को भी ज्यादा क्षति नहीं पहुंची है। गैस टैंकर सड़क किनारे बने डिवाइडर पर चढ़कर बीच सड़क पर पलट गया। घटना के बाद एनएच पर यातायात कई घंटों तक प्रभावित रहा। तोपचांची थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और बीच सड़क से टैंकर को हटाने के प्रयास में में जुट गई। दुर्घटना स्थल पर अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी भी खड़ी थी, ताकि संभावित आग या विस्फोट की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

लुईस मरांडी को मिला टिकट, जामा से भी उठा पर्दा

पूर्व मंत्री लुईस मरांडी को झामुमो ने टिकट दे दिया है। लुईस मरांडी को झामुमो ने जामा से टिकट दे दिया है। यानि लुईस मरांडी झामुमो की टिकट पर जामा से चुनाव लड़ने जा रही हैं।वह भाजपा के सुरेश मुर्मू टक्कर देंगी, क्योंकि बीजेपी ने सुरेश पर विश्वास जताया है। जामा झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का गढ़ माना जाता है। इसकी बड़ी वजह भी है। यहां से जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन और उनके पुत्र दुर्गा सोरेन विधायक रह चुके हैं। पिछले 3 विधानसभा चुनावों से शिबू सोरेन की बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन यहां से विधायक चुनीं गईं। बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही ही लुईस मरांडी बीजेपी छोड़कर झामुमो में शामिल हुई हैं। बता दें कि आज जेएमएम ने पांचवीं लिस्ट जारी की है।

रामगढ़ पुलिस ने डोडा लोड ट्रेलर किया जब्त, चालक गिरफ्तार

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले रामगढ़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। रामगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रेलर को जब्त किया है, जो डोडा से लोड है। इस मामले में SP अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी। यह सूचना मिली थी कि रामगढ़-रांची हाइवे पर एक ट्रेलर डोडा लोड कर जा रहा है। मिली सूचना के आधार पर SP ने पुलिस टीम का गठन कर, ट्रेलर को रोकने की कोशिश की। लेकिन पुलिस को देख ट्रेलर चालक तेजी से गाड़ी को लेकर रामगढ़ की ओर भगाने लगा। तभी भागने के क्रम में चुटूपालू घाटी गण्डके मोड़ के पास ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सिमडेगा से पंजाब जाती है डोडा की बोरियां

जब पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर की जांच की तो पता चला कि लोड लोहा के ऊपर में कुछ भरी हुई बोरी रखी हुई हैं। उन बोरियों को खोल कर देखने पर पाया गया कि उसमें सुखा हुआ डोडा है। इस दौरान पकड़ाए चालक ने अपना नाम बालकरण सिंह बताया, जो पंजाब के भटींडा का रहने वाला है। इस तलाशी में वाहन से 28 प्लास्टिक की बोरियों में भरा डोडा मिला है। इस दौरान गिरफ्तार चालक ने पूछताछ में बताया कि वह अपनी गाड़ी पर सिमडेगा से बोरियों में डोडा लोडकर पंजाब के विभिन्न जगहों पर बिक्री करता है।

युवा व्यवसायी आशिफ अंसारी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं

झारखंड न्यूजलाइन। व्यवसाय और व्यवहार एक दुसरे के पुरक होते हैं और बेहतर कुछ करने के लिए उसके लिए हमें नियमित प्रयास के फलस्वरूप सफलता भी मिलती है, जी हाँ! हम बात कर रहे हैं। ओरमांझी ब्लॉक चौक एनएच रोड चकला मोड़ स्थित बजाज शोरूम ए संस इंटरप्राइजेज के संचालक एवं युवा व्यवसायी आशिफ अंसारी युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं तथा व्यवसाय में इनके द्वारा बनाया गया कीर्तिमान भी काफी अलौकिक और उत्कृष्ठ है। श्री अंसारी के शालिनता, व्यवहार कुशलता का ही यह परिणाम है कि उन्होंने अल्प समय में ही बजाज शो रूम को ख्याति दिलाने के साथ-साथ व्यवसाय में काफी सफलता भी दिलायी। ओरमांझी प्रखण्ड में उनके द्वारा बजाज दोपहिये वाहन को जिस प्रकार से प्रसिद्धी और सफलता दिलायी है उसी का यह परिणाम है कि बजाज कम्पनी के द्वारा इन्हें बेहतर और उत्कृष्ठ डीलर के रूप में पुरूस्कृत और सम्मानित किये जा चुके हैं। वहीं श्री अंसारी बताते हैं कि उन्हें बजाज प्रतिष्ठान ए संस इंटरप्राइजेज को खोले कुछ वर्ष ही हुए हैं किन्तु लोगों के स्नेह,विश्वास और अपनापन के फलस्वरूप वर्तमान समय में बजाज दोपहिया वाहन जन अपेक्षा के अनुरूप लोगों के विश्वास पर हमेशा खरा उतरा है और इसी का यह सार्थक परिणाम है कि ओरमांझी पुरे रांची जिला में अपना बेहतर पहचान बनाने में सफल रहा है। गौरतलब हो कि श्री अंसारी बजाज शो रूम के खोलने के पश्चात से दोपहिया वाहन के बजार में इसे काफी बेहतर माहौल में पहुंचाया है जो निश्चित तौर पर आशिफ अंसारी की व्यक्तिगत उपलब्धि और कामयाबी है।

झारखंड चुनाव के लिए कांग्रेस की आई दूसरी लिस्ट, उमाशंकर का टिकट कटा; आलमगीर की जगह निशत को मिला मौका

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने दूसरी लिस्ट जारी की, जिसमें सात उम्मीदवार शामिल हैं। बरही से उमाशंकर अकेला की जगह अरुण साहू, और पाकुड़ से आलमगीर आलम की जगह निशत आलम को प्रत्याशी बनाया गया। अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में केएन त्रिपाठी, सुरेश कुमार बैठा, सुधीर कुमार चंद्रवंशी, राधाकृष्ण किशोर और लाल सूरज शामिल हैं।

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से गुरुवार को उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी गई। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में सात उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इसके तहत बरही से कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला का टिकट कट गया है। जबकि जेल में बंद आलमगीर आलम की जगह निशत आलम को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से सात उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है। इसके अनुसार पाकुड़ विधानसभा सीट से आलमगीर आलम की जगह निशत आलम को कांग्रेस उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रहे अपने सीनियर नेता आलमगीर आलम की जगह उनकी पत्नी निशत आलम को पाकुड़ से मौका दिया है। हालांकि चर्चा थी कि अपनी जगह अपने बेटे तनवीर आलम के लिए टिकट चाह रहे थे। वहीं बरही से उमाशंकर अकेला की जगह अरुण साहू को प्रत्याशी बनाया गया है। कांके विधानसभा सीट से सुरेश कुमार बैठा उम्मीदवार होंगे। सुरेश बैठा लगातार चौथी बार कांके सीट के लिए उम्मीदवार होंगे। इससे पहले उन्होंने तीन बार कांके विधानसभा सीट में बीजेपी प्रत्याशी को कड़ी टक्कर दी। डालटनगंज से कांग्रेस ने एक बार फिर से पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी को उम्मीदवार बनाया गया है। केएन त्रिपाठी इससे पहले वर्ष 2009 में डालटनगंज विधानसभा सीट से चुनाव जीत चुके हैं, लेकिन दो बार से लगातार उन्हें हार का सामना करना पड़ रहा हैविश्रामपुर सीट से कांग्रेस ने सुधीर कुमार चंद्रवंशी और छतरपुर से राधाकृष्ण किशोर को प्रत्याशी बनाया गया है। राधाकृष्ण किशोर कांग्रेस, बीजेपी और जेडीयू टिकट पर छतरपुर से पांच बार चुनाव जीत चुके हैं और दो दिन पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं। वहीं पांकी से लाल सूरज को उम्मीदवार बनाया गया है।

हटिया विधानसभा से कर्मठ नेता एवं समाजसेवी अलबिन लकड़ा ने आगामी चुनाव के लिए भरा नामांकन पर्चा।

गिरिडीह के दो उद्योगपतियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

गिरिडीह : गिरिडीह में कई बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने दबिश दी है। आयकर विभाग की कारवाई सुबह छह बजे ही शुरू हुई। करीब आधा दर्जन इनोवा गाड़ियों में आयकर विभाग के अधिकारी पहुंचे और कारवाई शुरू की। अधिकारियों के साथ अर्धसैनिक बलों के जवान भी हैं। कारवाई आर्यन इंडस्ट्रीज के मालिक मिंटू बरनवाल के न्यू बरगंडा आवास और शैलपुत्री स्टील फैक्ट्री के मालिक राकेश बरनवाल की फैक्ट्री और आवास में भी की जा रही है। फिलहाल कारवाई अब भी जारी है।

मधु कोड़ा की याचिका SC से खारिजः नहीं लड़ सकेंगे विधानसभा चुनाव

रांची झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। अब उनके इस सपने पर ग्रहण लग गया है। कोयला घोटाला मामले में तीन साल की सजा पाए मधु कोड़ा ने दोषसिद्धी पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आज सुप्रीम कोर्ट ने उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर महादेवन की पीठ में उन्होंने दोषसिद्धी पर रोक के लिए याचिका लगाई थी। अदालत ने गुरुवार को कहा था कि याचिका की फाइल देर से मिलने की वजह से उस पर गौर नहीं किया जा सका। ऐसे में सुनवाई शुक्रवार को होगी। आज अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है। पूर्व सीएम मधु कोड़ा को झारखंड के राजहरा उत्तर कोयला ब्लॉक को गलत तरीके से आवंटित किए जाने के मामले में तीन साल की सजा निचली अदालत ने सुनाई थी। निचली अदालत ने 13 दिसंबर 2017 को मधु कोड़ा, पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव एके बसु और विजय जोशी को भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने और पावर का दुरुपयोग करते हुए कोलकाता स्थित कंपनी विनी आयरन एंड स्टील उद्योग लिमिटेड को कोल ब्लॉक आवंटित करने के मामले में दोषी पाया था।

एकता मंच के कार्यकारी अध्यक्ष बने मुफ़्ती अब्दुल्लाह अज़हर रमज़ान कुरैशी बने मुख्य संरक्षक

डॉ बाबा भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच की अहम बैठक रांची के हिनू स्थित रमज़ान कुरैशी के आवसीय कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता राजकुमार चौधरी रिटायर्ड आ बैठक में संगठन विस्तार झारखंड प्रदेश में सभी जिलों का प्रतिनिधित्व और राजनीतिक सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई ।सभी उपस्थित वक्ताओं ने अपने बहुमूल्य विचार रखते हुए अंबेडकरवादी नीति को स्थापित करते हुए भारतीय संविधान को अक्षरशः व पूर्णतः लागू करने पर सहमत हुए । बैठक में कोर कमेटी का गठन और लखनऊ में होने वाली राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया! सर्व समिति से श्री राजकुमार चौधरी को प्रदेश अध्यक्षमुफ़्ती अब्दुल्ला अजहर कासमी को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, रमजान कुरैशी को मुख्य संरक्षक वंशलोचन राम को संरक्षक, बलिराम पासवान को प्रदेश महासचिव मौजूद थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने रामगढ़ विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा किया

मांडर विधानसभा से पूर्व डीडीसी डॉ परमेश्वर भगत ने किया नामांकन

झारखंड न्यूजलाइन। रजरप्पा झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक मगनपुर पंचायत स्थित फुलझरिया गांव में किया गया। बैठक की अध्यक्षता गोला प्रखंड अध्यक्ष सुनील राज चक्रवर्ती एवं संचालन सचिव रामचंद्र प्रसाद ने किया। बैठक में रामगढ़ विधानसभा चुनाव लड़ने पर चर्चा विचार विमर्श किया गया। बैठक में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष कार्तिक महथा, जिला सचिव दीपक सिंह टाइगर, केंद्रीय उपाध्यक्ष जटाधारी साहू, केंद्रीय संरक्षक गौरंग राय सहित रत्तीराम विश्वकर्मा, शैलेश सिंह, बिरबल नायक, वाहीद अंसारी, रामसेवक महतो, कमरूल होद, महेंद्र कुमार महतो, भीम मांझी, पहाड़ सिंह महतो, लक्ष्मण चंद्र मांझी, आशो देवी, सत्य बाला देवी, चुनकी देवी, सुनीता देवी सहित सैकड़ो झारखंड आंदोलनकारी मौजूद थे।

नोएडा एयरपोर : फ्रेंच MNC को मिली इस काम की जिम्मेदारी

देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का निर्माण उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में हो रहा है। जेवर के पास बन रहे नोएडा एयरपोर्ट में बिल्डिंग एंड एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशन प्रदान करने की जिम्मेदारी फ्रेंच मल्टीनेशनल कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक को मिली है।

नई दिल्ली: देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में बन रहा है। इसका नाम नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (Noida International Airport) रखा गया है। इस एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग से लेकर एनर्जी मैनेजमेंट के तमाम साधनों के लिए फ्रेंच मल्टीनेशनल कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक (Schneider Electric) से करार किया गया है। इस साझेदारी के तहत एयरपोर्ट की परिचालन दक्षता और स्थिरता में सुधार लाने के उद्देश्य से व्यापक भवन और ऊर्जा प्रबंधन समाधान पेश किए जाएंगे।

क्या होगा नोएडा एयरपोर्ट पर श्नाइडर इलेक्ट्रिक की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी के सॉल्यूशन एयरपोर्ट पर अक्षय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करेंगे। इसके साथ ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए इंटेलीजेंट बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम से लैस करेंगे। इस सहयोग में HVAC सिस्टम, इलेक्ट्रिकल सिस्टम और प्लंबिंग की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, साथ ही बैगेज हैंडलिंग सिस्टम और पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज जैसे उप-सिस्टम को एकीकृत किया जाएगा, जिससे एयरपोर्ट का निर्बाध संचालन सुनिश्चित होगा।

ऊर्जा खपत की लाइव निगरानी नोएडा एयरपोर्ट पर लगने वाले ये सिस्टम एनर्जी और KPI डैशबोर्ड प्रदान करेंगे। यह ऊर्जा खपत की लाइव निगरानी करेंगे, जिससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अपने स्थिरता लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। ये तकनीक ऊर्जा दक्षता में सुधार और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अवसरों की पहचान करने में भी सहायता करेंगी। **कभी बिजली नहीं जाएगी** श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के जोन प्रेसिडेंट तथा एमडी एंड सीईओ दीपक शर्मा का कहना है कि कंपनी के सॉल्यूशन निर्बाध बिजली आपूर्ति की गारंटी देंगे। मतलब कि कभी भी एयरपोर्ट पर बिजली गुल नहीं होगी। साथ ही श्नाइडर के सिस्टम एयरपोर्ट की महत्वपूर्ण प्रणालियों के व्यापक प्रबंधन की सुविधा प्रदान करेंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने श्नाइडर इलेक्ट्रिक की विशेषज्ञता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके उन्नत सिस्टम एयरपोर्ट पर कुशल और सुचारू संचालन सुनिश्चित करेंगे। इस समय नोएडा एयरपोर्ट के कंस्ट्रक्शन का काम तेजी से चल रहा है। एयरपोर्ट का एक रनवे बन कर तैयार हो गया है। इसके साथ ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को भी पूरी तरह से बना लिया गया है। इन सबका परीक्षण चल रहा है।

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन की सेनाएं पीछे हटना शुरू:गलवान जैसी झड़प टालने के लिए अलग-अलग दिन पेट्रोलिंग, एक-दूसरे को सूचना भी देंगी

नई दिल्ली 4 दिन पहले हुए नए पेट्रोलिंग समझौते के बाद शुक्रवार को भारत और चीन की सेनाएं पूर्वी लद्दाख सीमा से पीछे हटना शुरू हो गई हैं। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग पॉइंट में सेनाओं ने अपने अस्थायी टेंट और शेड हटाना शुरू कर दिए हैं। सैनिक गाड़ियां और मिलिट्री उपकरण भी पीछे ले जा रहे हैं। इस प्रोसेस के पूरा होने के बाद डेमचोक और देपसांग में दोनों सेनाएं पेट्रोलिंग कर सकेंगी। यह पेट्रोलिंग 10 दिन बाद शुरू हो सकती है। इसकी 2 शर्तें हैं।

दूसरी- दोनों देशों की सेनाओं को एक-दूसरे को पहले से इसकी सूचना देनी होगी। 2020 में भारत-चीन के बीच गलवान में टकराव के बाद डेमचोक और देपसांग में तनाव के हालात बने हुए थे। भारत और चीन के बीच 21 अक्टूबर को नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि गलवान जैसी झड़प न हो और वहां पहले जैसे हालात बनाने के लिए समझौता किया गया है। सैनिकों के पूरी तरह पीछे हटने के बाद करीब 10 दिन के भीतर पेट्रोलिंग शुरू हो सकती है। पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

देपसांग: भारतीय सेना के मुताबिक, सैनिक अब गश्त के लिए देपसांग में पेट्रोलिंग पॉइंट 10, 11, 11-A, 12 और 13 तक जा सकेंगे। डेमचोक: पेट्रोलिंग पॉइंट-14 यानी गलवान घाटी, गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स यानी PP-15 और PP-17 बफर जोन हैं। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यहां पर गश्त को लेकर बाद में विचार होगा। बफर जोन यानी ऐसा इलाका जहां दोनों सेनाएं एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं आ सकतीं। ये जोन विपक्षी सेनाओं को अलग करते हैं।

कहां से हटीं सेनाएं, कहां से अब हट रहीं 3 पॉइंट में भारत-चीन का पेट्रोलिंग समझौता 1. पीएम मोदी की ब्रिक्स यात्रा के पहले समझौता फाइनल हुआ। ब्रिक्स में मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। मोदी ने यहां कहा था कि शांति कायम रखना हर हाल में जरूरी है। 2. पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए चीन और भारत राजी हुए। यानी अब चीन की आर्मी उन इलाकों से हटेगी, जहां उसने अतिक्रमण किया था। 3. भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने बताया था कि भारत-चीन के सीमावर्ती इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार हुआ है। इस पर दोनों देश कदम उठाएंगे।

तस्वीर लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत-चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प की है।

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन की सेनाएं पीछे हटना शुरू:गलवान जैसी झड़प टालने के लिए अलग-अलग दिन पेट्रोलिंग,एक-दूसरे को सूचना भी देंगी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। मोदी ने यहां कहा था कि शांति कायम रखना हर हाल में जरूरी है। 2. पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए चीन और भारत राजी हुए। यानी अब चीन की आर्मी उन इलाकों से हटेगी, जहां उसने अतिक्रमण किया था।

भारत अकेला शेर जिसने चीन को गर्दन से दबोचा और ड्रैगन की कराह निकल गई, यूं ही नहीं हुआ समझौता

चीन ने पूर्वी लद्दाख में भारत को पेट्रोलिंग और चराई के अधिकार देकर लचीलेपन का संकेत दिया है। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि मजबूत बातचीत की रणनीतियां प्रभावी हो सकती हैं। दोनों देशों ने तनाव कम करने के लिए कई वर्षों की बातचीत के बाद इस दिशा में प्रगति की है।

भारत ने पूर्वी लद्दाख में चीन को कड़ी टक्कर दी है। इस कूटनीतिक रस्साकशी में चीन को भारत के साथ समझौता करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे साबित होता है कि दृढ़ रहने, मोलभाव की ताकत बनाने और सख्त बातचीत करने से चीन जैसे आक्रामक पड़ोसी को पीछे हटने पर मजबूर किया जा सकता है। यह समझौता दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद, विशेष रूप से देप्सांग और देमचोक क्षेत्रों में गश्त के अधिकारों पर केंद्रित है। चीन ने 2020 से देप्सांग के मैदानों में लगभग 650 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र और देमचोक में दो गश्ती बिंदुओं (पेट्रोलिंग पॉइंट्स) पर भारत की पहुंच को अवरुद्ध कर दिया था, जिसे भारत ऐतिहासिक रूप से अपना क्षेत्र मानता है। चीन का तर्क था कि ये मसले 2020 के गतिरोध से पहले के हैं, इसलिए इन्हें 'विरासत के मुद्दे' मानकर अलग से सुलझाया जाना चाहिए। हालांकि, भारत ने इस तर्क को खारिज करते हुए जोर देकर कहा कि ये सभी मुद्दे मौजूदा गतिरोध का हिस्सा हैं और इन्हें हल किए बिना असहमति की स्थिति खत्म नहीं हो सकती। चीन ने देप्सांग में 'बॉटलनेक' नामक एक संकरे रास्ते पर अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी थी, जिससे भारतीय सैनिकों के लिए गश्त करना मुश्किल हो गया था। भारत देप्सांग में अपने ऐतिहासिक दावे के लगभग 70% क्षेत्र (लगभग 650 वर्ग किलोमीटर) में गश्त करने के अधिकार पर अड़ा रहा। देमचोक में विवाद का क्षेत्र छोटा था, लेकिन यहां मुद्दा सिद्धांत का था। भारत ने स्पष्ट किया कि चीन ने जिन दो पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक पहुंच रोकी है, वहां 2020 से पहले की स्थित में आकर भारत की पहुंच बहाल किए बिना समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। इसके अलावा, सिंधु नदी और चार्डिंग नाले के पार स्थानीय लोगों की पारंपरिक चरागाह भूमि तक पहुंच का मुद्दा भी महत्वपूर्ण था क्योंकि चीन इन जलस्रोतों के किनारे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को अपने पक्ष में चित्रित करने की कोशिश कर रहा है। चीन ने 2022 में समझौते से इनकार कर दिया था। तब से दोनों देशों के बीच गतिरोध की स्थिति बनी हुई थी। चीन ने पैंगोंग त्सो झील की तर्ज पर देप्सांग और देमचोक में भी एक 'गैर-गश्ती क्षेत्र' (नॉन पेट्रोलिंग जोन) बनाने का सुझाव दिया था। हालांकि, भारत ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया कि इन दोनों स्थानों में विवादित क्षेत्र का आकार बहुत बड़ा है और इसे अन्य छोटे विवादित स्थानों से तुलना नहीं की जा सकती जहां सैनिकों के बीच केवल कुछ किलोमीटर की दूरी होती है। ऐसा जान पड़ता है कि 2023 तक चीन का रुख नरम पड़ने लगा था और जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले समझौता होने की संभावना थी। हालांकि, चीन संभवतः पीएलए के दबाव के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया। भारत अपने रुख पर कायम रहा और एक साल तक इंतजार करता रहा। इस दौरान, भारत ने पूर्वी क्षेत्र में यांग्त्से और असाफिला जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सैन्य तैनाती को मजबूत कर लिया, जिससे चीन पर दबाव बढ़ गया। अंततः चीन को झुकना पड़ा और एक समझौते के लिए राजी होना पड़ा। हालांकि, भारतीय सेना अभी भी सावधान है क्योंकि इस तरह के समझौतों का पालन जमीनी स्तर पर भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यही कारण है कि भारत इस बात पर जोर दे रहा है कि समझौते को जमीन पर कितना लागू किया गया है, इसकी पड़ताल होती रहे।

8 लाख करोड़ स्वाहा... सेंसेक्स में 700 अंक की गिरावट, किन शेयरों को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान?

घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखने को मिल रही है। बीएसई सेंसेक्स में 700 से अधिक अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी 24,150 अंक से नीचे चला गया। इस गिरावट के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप में 7.7 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

नई दिल्ली: हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट दिख रही है। बीएसई सेंसेक्स में 700 से अधिक अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी 24,150 अंक से नीचे चला गया। दूसरी तिमाही की आय में सुस्ती और लगातार विदेशी निकासी के बीच बाजार में गिरावट आई है। इंडसइंड बैंक और सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी के दूसरी तिमाही के निराशाजनक नतीजों ने बाजार को प्रभावित किया। इस गिरावट के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप 7.7 लाख करोड़ रुपये घटकर 436.1 लाख करोड़ रुपये रह गया। दोपहर 12 बजे सेंसेक्स 666.97 अंक यानी 0.83% की तेजी के साथ 79,398.19 अंक पर ट्रेड कर रहा था। एनएसई का निफ्टी 267.40 अंक यानी 1.10 फीसदी की गिरावट के साथ 24,132 अंक पर था। इंडसइंड बैंक के शेयरों में कारोबार के दौरान करीब 20% तक गिरावट आई। 12 बजे यह 19.34% की गिरावट के साथ 1031.60 अंक पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी का दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट में 39 फीसदी गिरावट आई है। इस दौरान बैंक का नेट प्रॉफिट 1,325 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,181.47 करोड़ रुपये था। इंडसइंड बैंक के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एनटीपीसी में भी गिरावट रही। सेक्टोरल फ्रंट पर निफ्टी ऑटो, बैंक, मेटल, पीएसयू बैंक, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 2% से 3.6% की गिरावट आई।

विदेशी बाजारों का हाल

इससे पहले शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार तेजी के साथ खुला लेकिन विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच जल्द ही इसमें गिरावट आ गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक गुरुवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,062.45 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,620.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अडाणी विल्मर का दूसरी तिमाही में 311 करोड़ का मुनाफा:पिछले साल 131 करोड़ रुपए का नुकसान था, नतीजों के बाद 6% चढ़ा शेयर

***मुंबई** अडाणी ग्रुप की FMCG कंपनी अडाणी विल्मर का वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 311 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 131 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 14,460 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर इसमें 18% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 12,267 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाले पैसे को रेवेन्यू या राजस्व कहते हैं।*

***अडाणी विल्मर का तिमाही आधार पर 2% बढ़ा रेवेन्यू** पिछली तिमाही यानी अप्रैल-जून में अडाणी विल्मर ने 313 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। तिमाही आधार पर यह 0.70% घटा है। वहीं, रेवेन्यू 2% बढ़ा है। अप्रैल-जून में कंपनी ने 14,169 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।*

***कॉन्सोलिडेटेड मुनाफा मतलब पूरे ग्रुप का प्रदर्शन** कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है। **एक साल में 5% चढ़ा है अडाणी विल्मर का शेयर** तिमाही नतीजों के बाद अडाणी अडाणी विल्मर का शेयर आज गुरुवार (24 अक्टूबर) को 6.05% की तेजी के साथ 337.50 रुपए पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 3.47%, छह महीने में 1.79% और इस साल 1 जनवरी से अबतक 8.04% गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयर ने 5.35% का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 44 हजार करोड़ रुपए है। **दूसरी तिमाही में अडाणी टोटल गैस का मुनाफा 6% बढ़ा: रेवेन्यू 11% बढ़कर 1,321 करोड़ रुपए; नतीजों के बाद 7% से ज्यादा चढ़ा शेयर** अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 178.11 करोड़ रुपए का मुनाफा (स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 6% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 167.79 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 1315,.49 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर इसमें 11.66% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 1178.08 करोड़ की कमाई की थी।*

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का IPO ओपन हुआ:29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं निवेशक

मुंबई एफकॉन पांच मेजर इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस ऑपरेट करती है, जिसमें मरीन एंड इंडस्ट्रियल, सरफेस ट्रांसपोर्ट, शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर, हाइड्रो और अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर शामिल हैं। ट्रांसपोर्ट, कंस्ट्रक्शन, ऑयल एंड गैस सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) आज ओपन हो गया है। निवेशक इस इश्यू के लिए 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 5,430 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 1,250 करोड़ रुपए के 2,69,97,840 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 4,180 करोड़ रुपए के 9,02,80,778 शेयर बेच रहे हैं। अगर आप भी इसमें पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं? एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 440 रुपए से 463 रुपए प्रति शेयर तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 32 शेयर्स के लिए बोली लगा सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 463 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,816 रुपए लगाने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 416 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,92,608 इन्वेस्ट करना होगा।

इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी ने इश्यू का 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए रिजर्व रखा है। इसके अलावा करीब 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व है। **कॉर्पोरेट पर्पज के लिए 600 करोड़ रुपए खर्च करेगी एफकॉन** फ्रेश इश्यू से मिले फंड में से 80 करोड़ रुपए तक का उपयोग कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल रिक्वायरमेंट की फंडिंग के लिए 320 करोड़ रुपए और कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के एक हिस्से के प्रीपेमेंट या शेड्यूल्ड रीपेमेंट और सामान्य कॉर्पोरेट पर्पज के लिए 600 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। **एफकॉन पांच मेजर इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस ऑपरेट करती है:** मरीन एंड इंडस्ट्रियल- इसमें पोर्ट्स, हार्बर्स, ड्राइ डॉक्स, LNG टैंक और मटेरियल हैंडलिंग सिस्टम जैसी प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। सरफेस ट्रांसपोर्ट- इसमें हाईवे, इंटरचेंज, माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और रेलवे शामिल हैं। शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर- इसमें मेट्रो वर्क्स, ब्रिज, फ्लाईओवर और एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं। हाइड्रो और अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट्स- इसमें डैम, टनल, और वाटर रिलेटेड

प्रोजेक्ट्स। ऑयल एंड गैस- इसमें ऑयल एंड गैस सेक्टर में ऑफशोर और ऑनशोर प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। FY 2023 में AIL का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 13,267.50 करोड़ रुपए वित्त वर्ष 2023 में AIL का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 12,637.38 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 13,267.50 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 449.74 करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 2023 में 410.86 करोड़ रुपए था। फिच रिपोर्ट के मुताबिक, देश के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में एफकॉन रिटर्न ऑन कैपिटल एंप्लॉयड (ROCE) यानी लागत के मुकाबले रिटर्न और EBITDA मार्जिन के मामले में टॉप पर है।

अडाणी टोटल गैस का मुनाफा 7.51% बढ़कर 186 करोड़:दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 12% बढ़कर 1,318 करोड़ रुपए; नतीजों के बाद 7% से ज्यादा चढा शेयर

***मुंबई** अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 186 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 7.51% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 173 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 1318 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर इसमें 12% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 1179 करोड़ की कमाई की थी।*

***तिमाही आधार पर 3% बढ़ा प्रॉफिट** मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कंपनी को 172 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। तिमाही आधार पर इसमें 8% की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान टोटल गैस ने संचालन से 1239 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। तिमाही आधार पर इसमें 6.40% की बढ़ोतरी हुई है।*

***एक साल में 37% चढ़ा है अडाणी टोटल गैस का शेयर** तिमाही नतीजों के बाद अडाणी टोटल गैस का शेयर आज गुरुवार (24 अक्टूबर) को 7.83% की तेजी के साथ 755.30 रुपए पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 7.09%, छह महीने में 17.86% और इस साल 1 जनवरी से अबतक 24.54% गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयर ने 37.22% का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 83 हजार करोड़ रुपए है।*

***CEO बोले- पाइप्ड गैस के 9 लाख लोगों को सर्विस दे रहे** अडाणी टोटल गैस के CEO और ED सुरेश पी मंगलानी ने नतीजों पर कहा कि हम अपने पाइप्ड गैस नेटवर्क के जरिए 9 लाख से ज्यादा कंज्यूमर्स तक पहुंच बना चुके हैं, जो बिना रूके पाइप्ड नेचुरल गैस की सप्लाई करते हैं। ट्रांस्पोर्टेशन सेगमेंट में ग्रोथ के लिए हमने पहला LNG स्टेशन चालू कर दिया है।*

अमेरिका राष्ट्रपति की सैलरी, पेंशन और भत्ते, जानें दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स को हर साल में मिलता है कितना पैसा

अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होगा। इस इलेक्शन में मुख्य मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच रहने की उम्मीद की जा रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप हैं।, दोनों प्रचार में जुटे हुए हैं।

वॉशिंगटनः अमेरिका को अगले महीने होने वाले चुनाव के बाद अगले साल की शुरुआत में नया राष्ट्रपति मिल जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप या कमला हैरिस में से किसी एक के अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने की उम्मीद है, जो दुनिया का सबसे ताकतवर पद माना जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति एक संघीय कर्मचारी होता है, जिसे स्टेट से वेतन मिलता है। हालांकि यह वेतन एक अमेरिकी की औसत आय से काफी ज्यादा है। एक अमेरिकी औसतन 44,500 डॉलर (37.41 लाख रुपए) प्रति वर्ष कमाता है, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति को सालाना 400,000 डॉलर (3.36 करोड़ रुपए) का भुगतान किया जाता है।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति को पद से हटने के बाद भत्ता, ट्रैवल और मनोरंजन भत्ता और पेंशन मिलती है। अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रति वर्ष 400,000 डॉलर का वार्षिक वेतन मिलता है। साथ ही हर साल 50,000 डॉलर (42 लाख रुपए) व्यय भत्ता, 100,000 डॉलर (84 लाख रुपए) का गैर-करयोग्य यात्रा खाता और मनोरंजन भत्ते के तौर पर 19,000 डॉलर (16 लाख रुपए) मिलते हैं। कुल मिलाकर एक साल में अमेरिकी राष्ट्रपति के सभी खर्चों के लिए 569,000 डॉलर (4.78 करोड़ रुपए) मिलते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, भत्ते से इस्तेमाल नहीं की गई राशि राजकोष में वापस करनी होती है। **2001 में बढ़ाया गया था वेतन** अमेरिकी राष्ट्रपति का वार्षिक वेतन आखिरी बार यूएस कांग्रेस ने 2001 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के पदभार ग्रहण करने से ठीक पहले बढ़ाया था। अमेरिका में राष्ट्रपति की आय उस कार्यकाल के दौरान नहीं बदली जा सकती, जिसके लिए वह चुने गए हैं। वेतन के अलावा, यूएस राष्ट्रपति को राष्ट्रपति लिमोसिन, द बीस्ट, मरीन वन और एयर फोर्स वन में मुफ्त परिवहन और व्हाइट हाउस में मुफ्त आवास मिलता है। यूएस राष्ट्रपति को मिलने वाला एक और लाभ 200,000 डॉलर (1.68 करोड़ रुपए) की वार्षिक पेंशन है, साथ ही स्वास्थ्य सेवा कवरेज और सशुल्क आधिकारिक यात्रा भी है। अमेरिकी प्रेसीडेंट दुनिया में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले नेता नहीं हैं। वर्तमान में दुनिया के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले नेता सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग हैं। उनका सालाना वेतन करीब 1.69 मिलियन डॉलर (14.20 करोड़ रुपए) के बराबर है। हांगकांग के जॉन ली का-चिउ दुनिया के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले नेताओं की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनको 672,000 डॉलर (5.64 करोड़ रुपए सालाना मिलते हैं। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड तीसरे स्थान पर हैं, जिनकी सालाना आय 570,000 डॉलर (4.8 करोड़ रुपए) है।

अमेरिकी राष्ट्रपति क्या सैलरी लेने से मना कर सकता है? अमेरिकी राष्ट्रपतियों को अपने वेतन से इनकार करने की अनुमति नहीं है, लेकिन वे इसे किसी संगठनों को दान कर सकते हैं। जॉर्ज वाशिंगटन ने शुरू में अपना वेतन लेने से इनकार किथा लेकिन कांग्रेस ने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। इसके बाद कुछ ऐसे राष्ट्रपति रहे, जिन्होंने अपना राष्ट्रपति वेतन दान में दिया है। ऐसा करने वालों में मौजूदा चुनाव में रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप भी हैं। ट्रंप जब 2016 में प्रेसीडेंट बने थे तो उन्होंने अपना वेतन दान किया था।

कनाडा में भारतीय लड़की की मौत ने दहलाया, बेकरी के ओवन के अंदर धधकते मिले शरीर के अंग, देखकर सिहरे लोग

मृतका गुरसिमरन कौर मूल रूप से जालंधर के सूरानुस्सी स्थित गुरु नानक नगर की रहने वाली थी। गुरसिमरन और उसकी मां करीब तीन साल पहले भारत से कनाडा चले गए थे। मां और बेटी दोनों वॉलमार्ट में काम कर रही थीं। सुपरस्टोर में ही ओवन में जलने से गुरसिमरन की मौत हो गई।

ओटावाः कनाडा के हैलिफैक्स में वॉलमार्ट में भारतीय लड़की गुरसिमरन कौर की मौत का मामला उलझता जा रहा है। 19 साल की गुरसिमरन की मौत की स्थानीय पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है लेकिन अभी तक इस नतीजे पर नहीं पहुंची है कि 19 साल की लड़की उस ओवन के अंदर कैसे गई, जिससे उसकी जलकर दर्दनाक मौत हुई। इस बात ने भी जांच को उलझा दिया है कि इस बड़े ओवन को बाहर से बंद नहीं किया जा सकता है। 19 साल की कर्मचारी गुरसिमरन की जली हुई लाश सुपरस्टोर वॉलमार्ट के वॉक-इन ओवन के अंदर जली हुई पाई गई थी। पुलिस की जांच के अनुसार गुरसिमरन कौर के जले हुए अवशेष शनिवार शाम को पूर्वी कनाडा में नोवा स्कोटिया के हैलिफैक्स में वॉलमार्ट के बेकरी विभाग में एक ओवन के अंदर पाए गए। इस दर्दनाक हादसे की काफी चर्चा है।

ओवन से रिसाव देख चला पता गुरसिमरन अपनी मां के साथ ही वॉलमार्ट में कर रही थी। शनिवार को उसे देर तक सुपरस्टोर में ना देखकर मां ने उसे तलाशना शुरू किया और कर्मचारियों से पूछा। कर्मचारियों ने लगा कि गुरसिमरन सुपरस्टोर के किसी हिस्से में काम कर रही होगी। उसने अपनी बेटी को फोन करने की किया लेकिन उसका फोन भी नहीं लग पाया।

गुरसिमरन का फोन ना लगने पर उसकी मां ऑनसाइट एडमिन के पास पहुंची। इसके कुछ घंटे बाद उसके जले हुए अवशेष बेकरी में वॉक-इन ओवन के अंदर मिले। गुरसिमरन की मां ने वॉक-इन ओवन तब खोला, जब किसी ने उसे ओवन से हो रहे अजीब रिसाव के बारे में बताया। गोफंड मी ने गुरसिमरन के परिवार की मदद के लिए अभियान चलाते हुए करीब 67,000 डॉलर की राशि जुटाई है। गोफंड मी ने बताया है कि गुरसिमरन के पिता और भाई भारत में हैं, उन्हें लाने की कोशिश हो रही है। **पुलिस ने घटना पर क्या बताया** हैलिफैक्स पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे वॉलमार्ट में लड़की के बेकरी में ओवन के अंदर बंद होने की रिपोर्ट मिलने के बाद वहां पुलिस को भेजा गया। हैलिफैक्स पुलिस के पहुंचने तक गुरसिमरन को ओवन से निकाल लिया गया था। सीबीसी न्यूज के मुताबिक, यह स्पष्ट नहीं है कि गुरसिमरन ओवन में कैसे फंस गई क्योंकि इस ओवन को बाहर से बंद नहीं किया जा सकता। हैलिफैक्स पुलिस घटना की जांच कर रही है। अभी यह नहीं बताया है कि गुरसिमरन की मौत में कोई आपराधिक एंगल है या नहीं। कांस्टेबल मार्टिन क्रॉमवेल ने सीबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि जांच जटिल है और हम बस जनता को हमारी जांच में धैर्य रखने की अपील करते हैं। **काफी बड़ा है स्टोर का ओवन** वॉलमार्ट के सूत्रों ने बताया है कि उनके बेकरी विभाग का ओवन इतना बड़ा है कि एक व्यक्ति अंदर जा सकता है। वॉलमार्ट कनाडा के प्रवक्ता ने कहा है कि कर्मचारी की दुखद मौत से कंपनी को दुख हुआ है। फिलहाल स्टोर अस्थायी रूप से बंद है और हम जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

हिजबुल्लाह को खत्म करेगी लेबनान सरकार? प्रधानमंत्री की मांग पर भड़का ईरान, खामनेई ने बताई सबसे बढ़ी ढाल

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष चल रहा है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान आम लेबनानी लोगों को हुआ है। लेबनानी पीएम ने हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने की बात कही थी। लेकिन ईरान की ओर से हिजबुल्लाह को समर्थन मिला है। ईरानी सुप्रीम लीडर ने हिजबुल्लाह को ढाल बताया।

तेहरानः लेबनान में मौजूद हिजबुल्लाह इजरायल के साथ-साथ लेबनानी सरकार के लिए भी मुसीबत है। हिजबुल्लाह के हमले के कारण इजरायल लेबनान पर बम गिराता है, जिससे आम लेबनानी और यहां की सरकार परेशान है। लेबनान के प्रधान मंत्री नजीब मिकाती ने हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने का आह्वान किया है। उनके इरादे सामने आने के बाद अब ईरान के सुप्रीम लीडर हिजबुल्लाह को बचाने के लिए आ गए हैं। अयातुल्ला अली खामेनेई ने गुरुवार को कहा कि ईरान हिजबुल्लाह का समर्थन करता है, क्योंकि वह इजरायल के खिलाफ लेबनान की सबसे मजबूत शील्ड है। उन्होंने हिजबुल्लाह को जायोनी शासन के खिलाफ सबसे मजबूत ढाल बताया। साथ ही आरोप लगाया कि इजरायल लेबनान का विघटन चाहता है। उनका यह बयान तब आया है जब इजरायल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना जमीनी अभियान तेज कर दिया है। 23 सितंबर से बेरूत के आसपान के कई गढ़ों पर इजरायल ने हवाई हमले किए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक संघर्ष के कारण अब तक लेबनान में 1552 लोग मारे गए। जबकि यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक 8 लाख लोगों को घर छोड़ना पड़ा।

हिजबुल्लाह पर बोला था हमला खामेनेई का बयान लेबनानी प्रधानमंत्री की ओर से पेरिस में एक सम्मेलन के दौरान दिए गए बयान के बाद आया है। इस सम्मेलन में उन्होंने लेबनानी सेना को छोड़कर देश के सभी समूहों को निरस्त्र करने का आह्वान किया। मिकाती ने कहा, 'लेबनान के अधिकारियों को पूरे लेबनानी क्षेत्र पर तैनाती करनी चाहिए। हथियार सिर्फ लेबनानी सेना के पास ही होना चाहिए।' हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर हिजबुल्लाह का नाम नहीं लिया। लेकिन उनका बयान बड़े पैमाने पर हिजबुल्लाह के खिलाफ निशाना साधने के तौर पर देखा गया। हिजबुल्लाह एकमात्र सशस्त्र गुट है, जिसने 1990 में लेबनानी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद हथियार नहीं डाले। **हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन** हिजबुल्लाह का लेबनान की राजनीति और सेना में महत्वपूर्ण स्थान है। ईरान से इसे समर्थन मिलता है। खामेनेई के बयान से पहले हिजबुल्लाह ने अपने वरिष्ठ नेता हाशेम सफीद्दीन की मौत की पुष्टि की थी। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद वह हिजबुल्लाह का उत्तराधिकारी बन सकता था। सफीद्दीन और नसरल्लाह दोनों अलग-अलग धमाकों में मारे गए हैं।

सिगरेट से शरीर दागा फिर रेप और गर्भपात... उत्तर कोरिया से भागी महिला ने बताई किम जोंग की सीक्रेट

उत्तर कोरिया में किम जोंग उन के तानाशाही रवैये के बारे में कई तरह की रिपोर्ट सामने आती रही हैं। खासतौर से उन लोगों के साथ वह बर्बरता की हद तक जाते हैं, जो उनके खिलाफ आवाज उठाते हैं और उनकी नीतियों का विरोध करते हैं। किम विरोधी एक महिला ने वहां की हकीकत बताई है।

प्योंगयांगः उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने देश में ऐसी सीक्रेट जेल बना रखी हैं, जिनमें कैदियों पर यातना की हदें पार की जाती हैं। किम सरकार के चंगुल से भागी एक उत्तर कोरियाई महिला ने देश की इन जेलों (टॉर्चर सेल) के बारे में बताया है। महिला का कहना है कि उत्तर कोरिया शासन के खिलाफ आवाज उठाने वाले और खासतौर से ऐसे लोगों के देश में वापस आने पर बलात्कार जैसी यातनाओं का सामना करना पड़ता है। द सन ने उत्तर कोरिया की एक महिला मिंजी (बदला नाम) के हवाले से की गई रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मिंजी ने छह बार उत्तर कोरिया से भागने की कोशिश की लेकिन हर बार पकड़ी गई और यातनाओं का सामना करना पड़ा। आखिरकार सातवीं कोशिश में वह देश से निकलने में कामयाब हुई और किम की टॉर्चर सेल के बारे में बताया। फिलहाल चीन में रह रही मिंजी का कहना है कि इन जेलों में महिलाओं के साथ रेप होता है, बच्चों की निर्मम हत्या कर दी जाती है तो बुजुर्गों को पीट-पीटकर मार डाला जाता है। **सिगरेट से जलाया गया शरीर** मिंजी कहती हैं, 'मुझे और कई महिलाओं को देश से बाहर निकालने का वादा करने वाले दलालों ने धोखा दिया और उन्हें देश वापस लाया गया। इसके बाद हमें इन जेलों में बंद कर दिया गया। यहां लड़कियों को सैन्य अधिकारी ने प्रताड़ित किया। मेरे साथ भी यौन हिंसा हुई और शरीर को सिगरेट से जलाया गया। मैं विरोध नहीं कर सकती थी क्योंकि इससे और ज्यादा नुकसान होता।' मिंजी ने बताया कि उत्तर कोरिया में हिरासत में ली गई ज्यादातर लड़कियां रेप के बाद गर्भवती हुईं और उनको गर्भपात से गुजरना पड़ा। एक महिला के गर्भ का पता नहीं चला

और वो मां बन गई तो उत्तर कोरियाई सुरक्षा एजेंटों ने नवजात शिशु को मार डाला। ये महिला के तौर पर एक बहुत बड़ी सजा थी।

कोरिया से भागने की कोशिश करती हैं महिलाएं कोरिया टाइम्स के 2023 के एक लेख के अनुसार, महिलाएं बड़ी संख्या में किम जोंग उन के शासन से भागने की कोशिश करती है। अमूमन दलाल इनकी देश से भागने में मदद करते है। हालांकि इसमें भी इनके साथ अक्सर धोखा होता है और इन्हें चीन में बेच दिया जाता है। वहीं जिनको भागने की कोशिश में पकड़ा जाता है, उनको किम शासन के अफसर प्रताड़ित करते हैं। खासतौर से महिलाओं को यातना कक्षों के अंदर सबसे भयानक अत्याचारों का सामना करना पड़ता है।

आज फिर 85 विमानों में बम की धमकी:एअर इंडिया-विस्तारा, इंडिगो की 20-20 और अकासा की 25 फ्लाइट; अब तक 600 करोड़ का नुकसान

लादेन के आखिरी गढ़ रहे शहर में पाकिस्तान ने लगाई आतंकी फैक्ट्री, सेना और ISI की निगरानी में चल रहा ट्रेनिंग कैंप, खुलासा

इस्लामाबादः तीन आतंकवादी संगठनों- लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और जैश-ए-मोहम्मद ने पाकिस्तान के केपी प्रांत के एबटाबाद शहर में एक ट्रेनिंग कैंप बनाया है। भारत सरकार पाक स्थित इन तीनों संगठनों को आतंकी गुट मानती है और प्रतिबंधित कर चुकी है। इन आतंकवादी संगठनों ने अपना ये साझा टेरर कैंप पाक सेना, खुफिया एजेंसियों से जुड़े एक परिसर में स्थापित किया है। एनडीटीवी ने सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर ये दावा किया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट दावा करती है कि इस कैंप को एक 'सुरक्षित' जगह पर बनाया गया है और इसके ठीक बगल में पाकिस्तानी सेना का भी कैंप है। इससे साफ है कि पाक सेना की अनुमति से ही आतंकियों को प्रशिक्षित करने के लिए बाहरी लोगों की पहुंच संभव हो पाएगी। ये भी दावा किया गया है कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई का एक अफसर इस कैंप की निगरानी कर रहा है। खास बात ये है कि कैंप में महिलाओं को भी हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

एबटाबाद को लादेन ने भी बनाया था ठिकाना एबटाबाद वही शहर है, जहां पूर्व अलकायदा चीफ ओसामा बिन लादेन अपने आखिरी समय में रहता था। अफगानिस्तान से भागकर उसने यहां एक परिसार को अपना ठिकाना बनाया था। मई 2011 में अमेरिका की सेना ने यहीं पर लादेन पर हमला करते हुए उसे मार दिया था।। पाकिस्तान ने 2012 में उस ढांचे को ध्वस्त कर दिया था, जो लादेन का ठिकाना था। हालांकि इसके खंडहर आज भी यहां पर मौजूद हैं। रिपोर्ट में यह खुलासा नहीं किया गया है कि ये नया प्रशिक्षण शिविर ओसामा बिन लादेन का ठिकाना रहे घर के खंडहरों में बनाया गया है या फिर ये अलग है।

समझा जाता है कि नया शिविर तीनों संगठनों के लिए भर्ती केंद्र है। इस नए आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र के खुलने की खबर ऐसे समय सामने आई है, जब जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले बढ़े हैं।

पाकिस्तान में आतंकी गुटों को हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन और मसूद अजहर चला रहे हैं। ये तीनों भारत की एजेंसी एनआईए की वांछित आतंकवादियों की सूची में हैं। पाकिस्तान में ट्रेनिंग पाए आतंकियों का भारत में हमले करने का एक लंबा इतिहास रहा है। कई मौकों पर भारतीय सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया है या फिर गिरफ्तार किया है।

रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मीटिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम मोदी शामिल हुए। शिखर सम्मेलन से अलग पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच मीटिंग हुई। पांच साल में दोनों की यह पहली मीटिंग रही है। चीन ने इसे द्विपक्षीय सुधार के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

बीजिंगः ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से अलग पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई। इस मुलाकात पर गुरुवार को चीन ने अपनी प्रतिक्रिया दी। चीन ने कहा कि दोनों देश सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने पर सहमत हुए। साथ ही कहा कि वार्ता बहुत महत्वपूर्ण रही। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, 'दोनों नेता चीन-भारत सीमा पर विशेष प्रतिनिधि तंत्र का अच्छा इस्तेमाल करने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने, निष्पक्ष और उचित समाधान खोजने, बहुपक्षीय मंचों पर संचार और सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए।'

लिन जियान ने कहा, 'वे चीन-भारत संबंधों में सुधार और इन्हें विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे तथा द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर विकास के पथ पर वापस लाने का मार्ग प्रशस्त किया।' इस सवाल पर कि बीजिंग बैठक के नतीजे को कैसे देखता है, लिन ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने तथा आगे बढ़ने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। **महत्वपूर्ण रही मीटिंग** लिन ने कहा कि चीन संचार और सहयोग बढ़ाने, पारस्परिक रणनीतिक विश्वास वृद्धि, मतभेदों को दूर करने और द्विपक्षीय संबंधों को जल्द से जल्द स्थिर विकास के पथ पर वापस लाने के लिए भी तैयार है। कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर मिले मोदी और शी ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर गश्त एवं सैनिकों की वापसी पर सोमवार के भारत-चीन समझौते का समर्थन किया। इसके बाद, विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों को पुनः सक्रिय करने के निर्देश जारी किए गए, जो 2020 में एक घातक सैन्य झड़प से प्रभावित हुए संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का संकेत है। चीन के आधिकारिक मीडिया की इस रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर कि मोदी ने संबंधों को सुधारने और विकसित करने के लिए सुझाव दिए जिस पर शी सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए, लिन ने कहा, 'दोनों पक्षों का विचार था कि यह बैठक रचनात्मक है और बहुत महत्व रखती है।' उन्होंने कहा, 'वे चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने तथा आगे बढ़ने, विशिष्ट असहमति को समग्र संबंधों को प्रभावित करने से रोकने और क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति तथा समृद्धि बनाए रखने और दुनिया में बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाने में योगदान देने पर सहमत हुए।'

Dia Mirza की एक-एक सलाह में है सोने जितना वजन, मेंटल से लेकर फिजिकल हेल्थ पर उनकी सलाह...

दिया मिर्जा की फिटनेस के लोग कायल हैं। अगर आप भी बढ़ती उम्र में खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहती हैं, तो दिया मिर्जा का फिटनेस मंत्र फॉलो कर सकती हैं। की एक-एक सलाह में है सोने जितना वजन, मेंटल से लेकर फिजिकल हेल्थ पर कह दी ऐसी बात दिया बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में से हैं, जो अपनी हेल्थ को लेकर सर्तक रहती हैं। आज भले ही एक्ट्रेस 42 का पड़ाव पार कर चुकी हैं, लेकिन अपनी फिटनेस और खूबसूरती से 21 की एक्ट्रेस को भी मात देती हैं। एक्ट्रेस को कई बार योग और हाई इंटेसिटी वर्कआउट करते देखा गया है। इसके अलावा अक्सर वे ट्रेकिंग और साइकिलिंग करते भी दिख जाती हैं। एक्ट्रेस का फिटनेस रूटीन फैन्स को हमेशा से ही इंस्पायर करता रहा है। हाल ही में सिलेब्रिटी हेल्थ कोच शिवांगी देसाई के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी सेहत और खूबसूरती का राज बताया है। उनकी यह वीडियो हेल्थ कोच ने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। फिटनेस को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि - मेरे लिए खूबसूरती का मतलब स्वस्थ रहना है। जब आप भरपूर मात्रा में न्यूट्रिशन लेते हैं और मानसिक स्वास्थय पर नियंत्रण रखते हैं, तो फिटनेस में सुधार होना तय है। आइए जानते हैं फिटनेस के लिए एक्ट्रेस किन बातों पर फोकस करने के लिए कहती हैं।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर फोकस करें-

भागदौड़ भरी जिन्दगी में मेंटल और फिजिकल हेल्थ का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। मेंटली फिट रहने के लिए आप में मेडिटेशन कर सकते हैं। ये आपको एक जगह ध्यान केंद्रित करने के साथ ही हेल्दी और हैप्पी रखता है। दिया मिर्जा की अट्रैक्टिव पर्सनालिटी और फिटनेस उनकी खासियत है। अपनी फिटनेस को लेकर वे काफी मेहनत करती हैं। उनका फिटनेस रूटीन लाखों लोगों को इंस्पायर करता है। अगर आप भी बढ़ती उम्र में फिट रहना चाहती हैं, तो एक्ट्रेस को अपना इंस्पिरेशन बना सकती हैं।

ज्यादा देर तक ना बैठें

फिट रहना है, तो एक ही जगह पर ज्यादा देर तक बैठने से बचें। अगर काम भी कर रहे हैं, तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें और चलते-फिरते रहें। इससे बॉडी में एक्टिवनेस बनी रहती है। यह आपको स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्रॉपर न्यूट्रिशन लें-

आप दिनभर में कितना खा रहे हैं, ये जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि आप कितना हेल्दी खा रहे हैं। कई बार हमें लगता है कि हम हेल्दी फूड खा रहे हैं, पर ऐसा नहीं होता। आपको नोटिस करना चाहिए कि आपको किस फूड से एलर्जी है, किससे वॉटर रिटेंशन होता है, किससे स्किन एलर्जी या ब्लोटिंग होती है। ऐसे फूड्स की पहचान करें और इन्हें अवॉइड करना शुरू करें। अपनी डाइट में जितने ज्यादा रिच फ्रूट्स शामिल करेंगे, उतनी हेल्थ बनेगी।

मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान-

दीया मिर्जा ने बताया कि 'मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है मेंटल हेल्थ। फिजिकली एक्टिव रहने से आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। इसलिए हर किसी को एक्टिव लाइफस्टाइल फॉलो करनी चाहिए। रेगुलर एक्सरसाइज करने से आपको फिजिकली फिट और एक्टिव रहने में बहुत हेल्प मिलेगी।'

खांसी के साथ बंद गला है आने वाली आफत की पहचान, इन लक्षणों को इग्नोर करने की गलती ना करें

खांसी खुद चली जाती है और इस वजह से अधिकतर लोग इसका इलाज नहीं करते। लेकिन जब आपको इसके साथ कुछ खतरनाक लक्षण दिख रहे हों तो बिल्कुल नजरअंदाज ना करें। ये दिक्कतें किसी खतरनाक बीमारी की पहचान हो सकती है।

खांसी एक पहचान है कि शरीर में कोई बाहरी खतरनाक तत्व घुस आया है। इसकी वजह से इंफ्लामेशन, इरिटेशन और इंफेक्शन हो सकता है। जब यह बाहरी तत्व रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट में घुसता है तो गले में मौजूद रिसेप्टर्स खांसी में मदद करते हैं। बाहरी तत्व निकालने के लिए यह शरीर का नेचुरल प्रोसेस है।

जब कोई व्यक्ति खांसता है तो फेफड़े काफी आक्रामक और तेजी से हवा छोड़ते हैं। कई बार यह गति 100 माइल्स प्रति घंटा हो सकती है ताकि ट्रैक्ट की रुकावट को बाहर फेंका जा सके। खांसी के कई कारण हो सकते हैं जिसमें कुछ काफी खतरनाक भी साबित हो सकते हैं।

इस आर्टिकल में कुछ लक्षणों के बारे में बताया गया है जो अगर खांसी के साथ दिख रहे हैं तो यह किसी बड़ी बीमारी की पहचान हो सकती है। इन्हें गलती से भी इग्नोर ना करें और तुरंत डॉक्टर को जाकर दिखाएं।

वैसे तो खांसी एक आम समस्या है जो अक्सर अपने आप ठीक हो जाती है। मगर कई बार यह क्रॉनिक कंडीशन का लक्षण हो सकती है जिसके लिए डॉक्टरी इलाज आवश्यक हो। अगर आपको खांसी के साथ बंद गला, अलग-अलग रंग का बलगम, सीने में दर्द, सांस फूलना जैसी दिक्कत हो रही है तो इसे नजरअंदाज ना करें। वैसे तो खांसी एक आम समस्या है जो अक्सर अपने आप ठीक हो जाती है। मगर कई बार यह क्रॉनिक कंडीशन का लक्षण हो सकती है जिसके लिए डॉक्टरी इलाज आवश्यक हो। अगर आपको खांसी के साथ बंद गला, अलग-अलग रंग का बलगम, सीने में दर्द, सांस फूलना जैसी दिक्कत हो रही है तो इसे नजरअंदाज ना करें। अगर आपको हफ्ते भर से ज्यादा ऐसा बलगम आ रहा है तो यह निमोनिया का लक्षण हो सकता है। इसके साथ गुलाबी या झागदार बलगम हार्ट फेलियर या पल्मोनरी एडीमा बता सकता है। यह जानकारी गुरुग्राम स्थित पारस हेल्थ के इंटरनल मेडिसिन के एचओडी डॉ. आरआर दत्ता ने दी।

वैसे तो खांसी एक आम समस्या है जो अक्सर अपने आप ठीक हो जाती है। मगर कई बार यह क्रॉनिक कंडीशन का लक्षण हो सकती है जिसके लिए डॉक्टरी इलाज आवश्यक हो। अगर आपको खांसी के साथ बंद गला, अलग-अलग रंग का बलगम, सीने में दर्द, सांस फूलना जैसी दिक्कत हो रही है तो इसे नजरअंदाज ना करें।

खांसी में खून आना खांसी के साथ खून आने के कई कारण हो सकते हैं। जिसमें लंग कैंसर से लेकर अस्थमा, ब्रोंकियाक्टेसिस, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, ब्रोंकाइटिस शामिल हैं। असली कारण जानने के लिए आपको डॉक्टरी मदद और टेस्ट करवाने पड़ेंगे।

सांस लेने में दिक्कत अगर खांसी के साथ सांस लेते हुए आवाज आना या सांस फूल रहा है तो यह एसिड रिफ्लक्स, अस्थमा या एलर्जिक रिएक्शन हो सकती है। ऐसी स्थिति में आपको तुरंत मेडिकल हेल्प लेनी चाहिए ताकि इंफेक्शन को तुरंत पकड़ा जा सके। सांस की गंभीर दिक्कत और गला बंद होने के एहसास को बिल्कुल भी नजरअंदाज ना करें।

2 हफ्ते से ज्यादा खांसी किसी मरीज को 2 से 4 हफ्ते तक खांसी हो रही है तो उसे तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। क्योंकि यह किसी इंफेक्शन के बाद या पोस्टनेजल ड्रिप की स्थिति हो सकती है।

विटामिन-कैल्शियम के चक्कर में आयोडीन न हो जाए कम, नमक नहीं काफी, ये फूड भी खाएं

आजकल लोगों में आयोडीन की कमी काफी बढ़ रही है। जिसकी वजह से थायराइड बिगड़ जाता है। यह हार्मोन पैदा करने के लिए थायराइड ग्लैंड को आयोडीन की जरूरत होती है और यह मिनरल हमारे मेटाबॉलिज्म और विकास को रेगुलेट करने के लिए भी जरूरी है। आयोडीन की कमी को रोका जा सकता है और थायराइड से बच सकते हैं। इससे बचाव करने के लिए जरूरी बातों के बारे में दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के एंडोक्रोनोलॉजी विभाग की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. ऋचा चतुर्वेदी ने महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। डॉ. ऋचा चतुर्वेदी के मुताबिक आयोडीन की कमी अक्सर खाने में समुद्री भोजन, डेयरी उत्पाद और आयोडीन युक्त नमक जैसे फूड्स के ना होने से होती है। वहीं जो क्षेत्र समुद्र से दूर होते हैं वहां के लोगों में भी आयोडीन की कमी का खतरा रहता है। इसके अलावा भी कुछ कारण ऐसे हैं जिनकी वजह से लोगों को आयोडीन से भरपूर फूड खाने के लिए नहीं मिल पाते हैं।

डॉक्टर का कहना है कि आयोडीन की कमी को दूर करने के लिए मल्टीडायमेंशनल नजरिये की जरूरत है। जिसमें यूनिवर्सल नमक आयोडीनीकरण (यूएसआई) एक महत्वपूर्ण रणनीति है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग के दौरान नमक में आयोडीन मिलाया जाता है। इससे बड़ी आबादी में आयोडीन की कमी को रोका जा सकता है।

डॉक्टर का कहना है कि आयोडीन की कमी को दूर करने के लिए मल्टीडायमेंशनल नजरिये की जरूरत है। जिसमें यूनिवर्सल नमक आयोडीनीकरण (यूएसआई) एक महत्वपूर्ण रणनीति है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग के दौरान नमक में आयोडीन मिलाया जाता है।

थायराइड का कारण है कम आयोडीन

थायराइड अगर कम हो या ज्यादा दोनों ही है खतरनाक, जाने क्या है इसका कारण?

आयोडीन की कमी से महिलाओं को काफी दिक्कतें हो सकती हैं, हालांकि बच्चे या पुरुष भी इससे दूर नहीं है।

थायराइड डिसऑर्डर मिसकैरिज, स्टिलबर्थ, शारीरिक विकास रुकना, देर से विकास होना, दिमागी क्षमता में कमी,मांसपेशियों में अकड़न, किन फूड्स में होता है आयोडीन?

किन फूड्स में होता है आयोडीन?

हार्वर्ड (ref.) के मुताबिक निम्नलिखित खाद्य पदार्थों में नेचुरल आयोडीन होता है।

नोरी, केल्प जैसे सीवीड मछली, आयोडाइज्ड नमक

अद्भुत! वॉशिंगटन सुंदर ने रचिन और टॉम ब्लंडल का उड़ाया डंडा, फिरकी देख कीवी बल्लेबाज के उड़े होश

न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे टेस्ट मैच के पहले दिन वाशिंगटन सुंदर अपनी फिरकी गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों के होश उड़ा दिए। सुंदर ने अपना सबसे पहला शिकार रचिन रविंद्र के रूप में किया। रचिन ने न्यूजीलैंड के लिए पूरी तरह से क्रीज पर सेट हो चुके थे। इसके बाद उन्होंने टॉम ब्लंडेल को बोल्ड किया।

पुणेः टीम इंडिया के लिए लगभग तीन साल बाद टेस्ट टीम में वापस करने वाले स्पिन गेंदबाज वॉशिंगटन सुंदर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे टेस्ट में धमाल मचा दिया। पुणे टेस्ट मैच के पहले दिन दूसरे सेशन में जब भारतीय गेंदबाज सेट हो चुके रचिन रविंद्र के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे तब सुंदर ने अपनी बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी से टीम इंडिया की दमदार वापसी कराई। रचिन रविंद्र ने न्यूजीलैंड के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे थे और 65 रन बनाकर खेल रहे थे, लेकिन सुंदर की फिरकी आगे वह पूरी तरह से चकरा गए। सुंदर ने गेंद को इस तरह से टर्न कराया कि रचिन कुछ समझ ही नहीं पाए। गेंद कब उनके बैट और पैड के बीच से विकेट को उड़ाया रचिन को कुछ पता ही नहीं चल पाया। इस तरह सुंदर ने टीम इंडिया को रचिन के रूप में चौथी सफलता दिलाकर एक दमदार वापसी करा दी। सुंदर सिर्फ यही तक नहीं रुके रचिन को बोल्ड करने के बाद उनका अगला शिकार टॉम ब्लंडेल बने। 150 रन ठोकने वाले सरफराज का क्या हुआ? रोहित शर्मा ने विराट कोहली के फेवरिट सहित इन 3 को दिखाया बाहर का रास्ता रचिन रविंद्र के बोल्ड होने के बाद क्रीज पर टॉम ब्लेंडल बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। कप्तान रोहित शर्मा ने सुंदर को लगातार एक छोर से लगाए हुए थे। टॉम ब्लेंडल 12 गेंद खेलकर अपनी नजरें जमाने की कोशिश में ही थे कि सुंदर ने सांप जैसी बलखाती हुई गेंद पर ब्लेंडल का डंडा उड़ा दिया। रचिन के बाद ब्लेंडल के साथ जो हुआ वह लगभग रीप्ले की तरह लग रहा था।

IPL 2025: ये दो खिलाड़ी होंगे रिटेन... मुंबई इंडियंस-चेन्नई सुपर किंग्स देखते रह गईं, इधर गुजरात टाइटंस ने खोल दिया पत्ता!

भारत में न्यूजीलैंड और टीम इंडिया के बीच टेस्ट सीरीज जरूर चल रही है, लेकिन हर किसी की निगाहें IPL पर हैं। फ्रेंचाइजियों के लिए प्लेयर्स की रिटेन और रिलीज लिस्ट देने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर है। इससे पहले गुजरात टाइटंस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट से बड़ा संकेत दे दिया है।

नई दिल्लीः एक ओर जहां मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स जैसी इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब 5-5 बार जीतने वाली टीमें प्लेयर्स को लेकर ऊहापोह की स्थिति में हैं तो दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने अपना पत्ता लगभग खोल दिया है। आईपीएल 2025 से पहले होने वाले मेगा नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों को अधिकतम 6 खिलाड़ी रिटेन करने हैं, जिसमें 2 खिलाड़ी अनकैप्ड हो सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के 5 बार ट्रॉफी विनिंग कप्तान एमएस धोनी पर अभी तक मामला साफ नहीं हो पाया है, हालांकि माना जा रहा है कि आईपीएल के बदले नियम की वजह से वह अनकैप्ड प्लेयर के रूप में टीम के साथ रहेंगे। मुंबई इंडियंस अपने सितारों के बीच उलझा हुआ है। रोहित शर्मा 5 बार के विनिंग कप्तान हैं तो पिछले सीजन हार्दिक पंड्या कप्तान थे। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह के रूप में दो और बड़े खिलाड़ी हैं। अब जब प्लेयर्स के रिटेन और रिलीज की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर करीब आ रही है तो गुजरात टाइटंस ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। पोस्ट में तीन तस्वीरें शेयर की गईं। इन तीनों में ही टीम के कप्तान शुभमन गिल और करिश्माई स्पिनर राशिद खान दिख रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने लिखा- विरोधियों पर 'शुभ-रश' (शुभमन गिल और राशिद खान) की तरह हमला। उल्लेखनीय राशिद खान, जो मुंबई इंडियंस की अन्य फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस एमिरेट्स, MI केप टाउन और MI न्यूयॉर्क के लिए खेल चुके हैं, को लेकर कहा जा रहा था कि पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि संभावित कदम की शर्तों पर चर्चा करने के लिए मुंबई इंडियंस और राशिद के बीच एक बैठक हुई थी। गुजरात टाइटंस की पोस्ट से यह भी पता चला कि शुभमन गिल को फेंचाइजी लंबे समय तक कप्तान के रूप में देख रहा है। हार्दिक पंड्या ने पिछले साल मुंबई इंडियंस में जाने से पहले टाइटंस को लगातार दो बार फाइनल में पहुंचाया था, जबकि एक बार चैंपियन बनाया। शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी गई, क्योंकि बल्लेबाज ने 14 मैचों में 38.72 की औसत और 147.40 की स्ट्राइक रेट से 426 रन बनाए।

टी-20i में सबसे बड़े स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्डःजिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ 344 रन बनाए, 290 रनों से जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया

जिम्बाब्वे ने बुधवार को गाम्बिया के खिलाफ 20 ओवर में 4 विकेट पर 344 रन का स्कोर बना दिया। यह टी-20 इंटरनेशनल मैच में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड नेपाल के नाम था, उसने मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे ने यह मैच 290 रन से जीता। यह टी-20 इंटरनेशनल में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने मैच में 33 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने 43 गेंद में 133 रन की पारी खेली। यह मैच टी-20 वर्ल्ड कप क्वालफायर्स के तहत नैरोबी में खेला गया।

सिकंदर रजा ने 15 छक्के और 7 चौके लगाए जिम्बाब्वे ने मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे के लिए ओपनर ब्रायन बेनेट और मरुमानी ने 5.4 ओवर में 98 रन की साझेदारी की। मरुमानी ने 19 गेंद में 62 और बेनेट ने 26 गेंद में 50 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने जिम्बाब्वे की ओर से सबसे अधिक नाबाद 133 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 15 छक्के और 7 चौके लगाए। **सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड** जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 344 रन बनाए। जवाब में गाम्बिया 14.4 ओवर में 54 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह जिम्बाब्वे की टीम ने यह मैच 290 रन से जीता। इसके साथ ही जिम्बाब्वे ने टी-20 इंटरनेशनल की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। पहले यह रिकॉर्ड नेपाल के नाम था, जिसने पिछले साल मंगोलिया को 273 रनों से हराया था। **सबसे ज्यादा छक्कों का नया रिकॉर्ड** जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने इस पारी में 27 छक्के जड़े और नेपाल का ही 26 छक्के का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 15 छक्के जड़े। फिर तीन स्पिनर्स के साथ उतरेगी भारतीय टीमःगिल या राहुल में से किसी एक को मौका; दूसरे टेस्ट के लिए पॉसिबल प्लेइंग-11 दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम का कॉम्बिनेशन वही रह सकता है जो पहले मैच में था, लेकिन इस बार कुछ नाम बदल सकते हैं। टीम फिर पांच बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, तीन स्पिनर और दो फास्ट बॉलर के साथ उतरेगी। हालांकि, अंतिम-11 फाइनल करने से पहले टीम मैनेजमेंट को तीन सवालों के जवाब तलाशने होंगे।

इमर्जिंग एशिया कप...भारत की लगातार तीसरी जीतःओमान को 6 विकेट से हराया; आयुष बडोनी की फिफ्टी, तिलक वर्मा ने नाबाद 36 रन बनाए

इमर्जिंग एशिया कप में इंडिया-ए का शानदार प्रदर्शन जारी है। तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम ने अब तीसरे मुकाबलें में ओमान को 6 विकेट से हरा दिया। टीम की यह लगातार तीसरी जीत है। टीम ग्रुप स्टेज खत्म होने तक पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही। सेमीफाइनल में टीम का सामना अफगानिस्तान-ए से होगा। यह मुकाबला 25 अक्टूबर को खेला जाएगा। बुधवार को अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड में ओमान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 141 रनों का टारगेट दिया है। जवाब में भारतीय टीम 15.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर ली। **आयुष बडोनी ने खेली मैच विनिंग पारी** भारत के लिए आयुष बडोनी ने 27 गेंदों पर सबसे ज्यादा 51 रनों की पारी खेली। कप्तान तिलक वर्मा ने नाबाद 36 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 34 रनों का योगदान दिया। **ओमान ने 140 रन बनाए थे** भारतीय टीम ओमान को ऑलआउट नहीं कर सकी। ओमान ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 140 रन बनाए। मोहम्मद नदीम ने सबसे ज्यादा 41 रनों की पारी खेली। हम्माद मिर्जा ने 28 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से आकिब खान, राशिख दार, निशांत संधू, रमनदीप और साई किशोर के हाथ 1-1 विकेट मिला। **भारत दूसरा मैच 7 विकेट से जीता** इंडिया ए ने दूसरे मैच में यूएई को 7 विकेट से हरा दिया। सोमवार को ओमान के अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड में यूएई के कप्तान बासिल अहमद ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की तरफ से अभिषेक शर्मा ने फिफ्टी लगाई जबकि रसिख सलाम ने 3 विकेट लिए। भारतीय टीम ने शानदार गेंदबाजी की और यूएई को 16.5 ओवर में 107 रन के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। इंडिया ए की तरफ से रसिख सलाम ने सबसे ज्यादा तीन विकेट, जबकि रमनदीप ने दो विकेट लिए। 108 रन के टारगेट को भारत ने 10.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आयुष बदोनी ने चौका लगाकर मैच जिताया।

इंडिया-ए ने अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान-ए को 7 रन से हराया। शनिवार को ओमान के अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने लॉन्च की ग्लोबल टी-20 लीगःपाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी खेलेंगी ; 26 नवंबर से शुरुआत

गयाना क्रिकेट वेस्टइंडीज नई टी-20 लीग शुरू करने जा रहा है। ग्लोबल सुपर लीग नाम के इस टूर्नामेंट में अलग-अलग देशों की पांच टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन 26 नवंबर से 7 दिसंबर तक गयाना में होगा। चैंपियंस लीग की तर्ज पर शुरू हो रहे टूर्नामेंट में गयाना अमेजन वॉरियर्स (CPL), लाहौर कलंदर्स (PSL), हैम्पशायर हॉक्स (टी20 ब्लास्ट), रंगपुर राइडर्स (BPL) और विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया स्टेट टीम) शामिल होंगी। पहला मैच 26 नवंबर को कैरेबियन प्रीमियर लीग की टीम गयाना अमेजन वॉरियर्स और पाकिस्तान सुपर लीग की टीम लाहौर कलंदर्स के बीच होगा। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल गयाना अमेजन वारियर्स और सेंट लुसिया किंग्स के बीच खेला गया था। **टॉप-2 टीम के बीच फाइनल होगा** इस लीग के पहले सीजन में ESPN की रिपोर्ट के मुताबिक 5 टीम आपस में एक दूसरे से मुकाबला करेंगी यानी टीमें ग्रुप स्टेज पर 4-4 मैच खेलेंगी। टॉप-2 टीम के बीच फाइनल होगा। जिसमें टूर्नामेंट में कुल 11 मुकाबले 11 दिनों में खेले जाएंगे। फाइनल मैच 7 दिसंबर को खेला जाएगा। **बड़े प्लेयर्स का खेलना मुश्किल** ग्लोबल लीग की शुरुआत ऐसे समय में हो रही है, जब इंटरनेशनल क्रिकेट में कई देश द्विपक्षीय सीरीज खेल रहे हैं। इसी बीच अबू धाबी में टी10 लीग का भी सीजन 21 नवंबर से 2 दिसंबर तक खेला जाना है। ऐसे में ग्लोबल सुपर लीग के पहले सीजन में कई बड़े नाम अपनी-अपनी टीमों से खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। इसमें वेस्टइंडीज के प्लेयर्स भी शामिल हैं क्योंकि विंडीज टीम को अपने घर पर 22 नवंबर से बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट, 3 मैचों की वनडे और इतने ही मैच की टी-20 सीरीज भी खेलनी है।

बबीता फोगाट बोलीं-साक्षी किताब के चक्कर में ईमान बेच गईंः कहा- विनेश विधायक बनीं, बजरंग को पद मिला

चरखी दादरी हरियाणा की रेसलर साक्षी मलिक ने ऑटोबायोग्राफी 'विटनेस' के लॉन्च में कहा था- BJP नेता बबीता फोगाट ने उन्हें भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ आंदोलन के लिए उकसाया था। उन्होंने ही इसकी परमिशन दिलाई थी। बबीता फोगाट बृजभूषण को हटाकर खुद WFI की अध्यक्ष बनना चाहती थीं। बबीता फोगाट ने साक्षी के आरोपों का जवाब दिया है। बबीता ने सोशल मीडिया पर लिखा- खुद के किरदार से जगमगाओ, उधार की रोशनी कब तक चलेगी? किसी को विधानसभा मिला, किसी को मिला पद, दीदी तुमको कुछ न मिला, हम समझ सकते है तुम्हारा दर्द। किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच गई। बता दें कि विनेश कांग्रेस में शामिल होकर हरियाणा की जुलाना सीट से MLA बन चुकी हैं। बजरंग पूनिया को कांग्रेस ने ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वाइस चेयरमैन बनाया है। बबीता फोगाट पूर्व रेसलर हैं। वे महावीर सिंह फोगाट की बेटी और गीता फोगाट की बहन हैं। विनेश उनकी चचेरी बहन हैं। 1. बबीता बोलीं- साक्षी के आरोप बेबुनियाद बबीता फोगाट ने साक्षी के आरोपों के बाद उनका जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि साक्षी मलिक बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। वह (साक्षी) कल यह भी कह सकती हैं कि यौन शोषण के आरोप भी बबीता ने लगवाए हैं। इसके बाद वह यह भी कह सकती हैं कि शोषण ही बबीता ने किया है। वह बार-बार बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। वह यह भी कह सकती हैं कि राष्ट्रीय मेडलों को गंगा में बहाने का प्लान भी बबीता ने बनाया था। देश के प्रधानमंत्री के घर के बाहर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवॉर्डों को जमीन पर रखने का प्लान भी बबीता ने दिया था। 2. कांग्रेस से जोड़ा साक्षी का कनेक्शन

बबीता ने कहा- साक्षी को स्पष्ट करना चाहिए और बताना चाहिए कि प्रियंका गांधी वहां (धरना स्थल पर) खाना किसके लिए भेजती थीं? दूसरी बार परमिशन किसने दिलाई? ये तथ्य भी सामने रखने चाहिए। दीपेंद्र हुड्डा, भूपेंद्र हुड्डा वहां धरने के अंदर क्या कर रहे थे? उन्हें बताना चाहिए। उन्हें किताब लॉन्च करने के लिए भी बबीता फोगाट के नाम की जरूरत पड़ गई। मेरे नाम के बिना तो उनकी किताब भी लॉन्च नहीं हो रही थी। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे नाम से ज्यादा प्यार है।

3. मेरे पास कोई पद होता तो वह मैं साक्षी को दे देती WFI पद पर बैठने के आरोप पर बबीता ने कहा- मेरे पास कोई पद नहीं है और मुझे चाहिए भी नहीं। साक्षी मलिक तो खुद एक इंटरव्यू में कह चुकी हैं कि वह WFI की अध्यक्ष बन सकती हैं। फिर आरोप मुझ पर लगाने का क्या मतलब? इच्छा उनकी और आरोप मुझ पर?

जिन पदों की वह बात कर रही हैं, उन बड़े-बड़े पदों का मैंने त्याग किया है। चाहे सब इंस्पेक्टर का पद हो, चाहे डिप्टी डायरेक्टर स्पोर्ट्स का पद हो, चाहे आंदोलन के दौरान महिला पहलवानों के चेयरपर्सन का पद हो। मेरे पास आज कोई पद नहीं है, वरना मैं साक्षी को वह पद भी दे देती।

साक्षी बोलीं- तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा किताब को लेकर मचे बवाल के बीच साक्षी मलिक ने सफाई दी है। मलिक ने कहा कि उनकी किताब के तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। किताब के नाम पर वे बातें भी बताई जा रही हैं, जो उसमें हैं ही नहीं।

गीता फोगाट ने कहा- अध्यक्ष का लालच किसे, सबको पता बबीता की बहन गीता फोगाट ने कहा- कई लोग खिलाड़ी के नाम पर बार-बार अपने एजेंडे अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहते हैं। मैं उनको कहना चाहती हूं कि बबीता ने कुश्ती में या राजनीति में जो भी मुकाम हासिल किया है, वह अपनी मेहनत और ईमानदारी के बलबूते पर किया है। जहां पर कोई किसी तरह का पद मायने नहीं रखता। रही बात अध्यक्ष बनने की तो सब जानते हैं कि अध्यक्ष बनने का लालच किसके अंदर था। सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं। पति बोले- हुड्डा-प्रियंका गांधी की जुबान बोल रही साक्षी बबीता के पिता द्रोणाचार्य अवॉर्डी महावीर फोगाट ने कहा- बबीता का इससे कोई वास्ता नहीं है। बबीता का उद्देश्य WFI अध्यक्ष बनना नहीं था। वह खिलाड़ियों के पक्ष में थीं। मैंने भी विरोध का समर्थन किया था। बबीता समझौता करवाना चाहती थी। चुनाव के बाद प्रियंका गांधी और दीपेंद्र हुड्डा की ओर से साक्षी मलिक के माध्यम से बयानबाजी करवाई जा रही है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए ये भाषा बोली जा रही है। हरियाणा BJP अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी बबीता फोगाट के समर्थन में उतर आए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं 0535 एवं 1272 खलकूटवा टाटू रोड़ पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फा नं ,851-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670